राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 13 सितंबर 2022 वर्ष–5,अंक–227 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असम में सरकारी नौकरी के लिए परीक्षाओं में भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाला शख्स गिरफ्तार

नई दिल्ली। असम में सरकारी नौकरी के लिए आयोजित होने वाली परीक्षाओं में भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले एक युवक को गिरफ्तार करने को लेकर विपक्षी दलों ने सोमवार को राज्य सरकार और पुलिस की आलोचना की। दरअसल, युवक ने आरोप लगाया था कि राज्य में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के 26 हजार पदों को भरने के लिए आयोजित हो रही परीक्षाओं में भ्रष्टाचार हो रहा है। विपक्ष ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भ्रष्टाचार का भंडाफोड़ करने वाले (व्हिसलब्लोअर) के बजाय वास्तविक दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए। विक्टर दास नामक युवक ने कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और पुलिस महानिदेशक भास्कर ज्योति महंत को टैग करते हुए ट्वीट कर दावा किया था कि मौजूदा समय में चल रही भर्ती के तहत कुछ अधिकारी और पूर्व विधायक तीन से आठ लाख रुपये की रिश्वत मांग कर नौकरी दिलाने की बात कर रहे हैं। इसके बाद, उस युवक को पूछताछ के लिए बुलाया गया और अंततः नौ सितंबर को गुवाहाटी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गुवाहाटी पुलिस ने ट्वीट किया था, ''विक्टर दास को झूठी अफवाहें फैलाने और सरकारी पदों पर चयन को लेकर समाज के विभिन्न वर्गों के बीच कलह भड़काने की साजिश में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।'' बाद में उसे एक अदालत ने सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। विक्टर दास की गिरफ्तारी को लेकर सभी विपक्षी दलों ने सरकार की कार्रवाई की आलोचना की है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''ये मानसिक रूप से बहुत कमजोर लोग हैं, जो दावा करते हैं कि नौकरी देने से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व विधायकों ने पैसे की मांग की, लेकिन कोई नाम नहीं बता सके। उन्होंने कुछ वाहन नंबर दिए।

पीएम मोदी आज करेंगे वर्ल्ड डेयरी समिट-2022 का उद्घाटन

योगी ने किया स्वागत

गौतमबुद्धनगर।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में सुबह साढ़े 10 बजे इंटरनेशनल डेयरी फेडरेशन वर्ल्ड डेयरी समिट (आईडीएफ डब्ल्यूडीएस) का उद्घाटन करेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिये प्रधानमंत्री मोदी के उत्तर प्रदेश आगमन पर स्वागत किया। योगी ने रविवार को चार दिवसीय इस सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लिया। सम्मेलन में 50 देशों के डेयरी उद्योग से जुड़े करीब 1500 प्रतिनिधि जुटेंगे। इनमें डेयरी उद्योग से जुड़े प्रमुख उद्यमी, विशेषज्ञ, किसान और नीति-निर्माता शामिल होंगे। योगी ने सुबह ट्वीट कर कहा कि विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आज उत्तर प्रदेश आगमन पर प्रदेश वासियों की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन। प्रधानमंत्री जी का सान्निध्य व मार्गदर्शन हम सभी में नव ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि संस्कृति व परंपराओं से समृद्ध, 'नए भारत के नए उत्तर प्रदेश' की पावन धरा पर 'अंतरराष्ट्रीय डेयरी संघ विश्व डेयरी सम्मेलन 2022' में पधारने वाले सभी महानुभावों का प्रदेश वासियों की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन। गौरतलब है कि भारत में इस तरह का सम्मेलन इससे पहले 1974 में हुआ था। भारत में डेयरी उद्योग सहकारिता पर आधारित अपनी तरह उत्कृष्ट मॉडल है। इसके माध्यम से छोटे एवं मध्यम किसानों और खासकर महिलाओं का सशक्तीकरण करने के अवसर प्राप्त होते हैं। मोदी के दृष्टिकोण के मद्देनजर डेयरी क्षेत्र की उन्नति के लिए अनेक कदम उठाये गये हैं जिससे पिछले 8 वर्षों में दुग्ध उत्पादन में 44 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। पूरी दुनिया के कुल दुग्ध उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी लगभग 23 प्रतिशत है।

देश में 21 करोड़ टन दूध का प्रतिवर्ष उत्पादन किया जाता है। इससे आठ करोड़ से अधिक डेयरी किसान लाभान्वित होते हैं'। सम्मेलन में भारत के दुग्ध किसानों को वैश्विक दुग्ध उत्पादन से जुड़ी बेहतर एवं आधुनिक तकनीकों आदि की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

भाजपा को पता हैं कि राजस्थान में फिर बनेगी कांग्रेस की सरकार : गहलोत

जयपुर ।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य में फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं को यह बात समझ आई है, जिससे घबरा कर वे राज्य और मुख्ये यमंत्री पर निशाना साध रहे हैं। राजस्थान के अगले साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। केंद्रीय मंत्री शाह द्वारा राज्य सरकार की आलोचना पर गहलोत ने कहा, उन्होंने (शाह) बढ़ चढ़ कर असत्य बोला। जितनी भी बातें उन्होंने बोली उनमें तथ्य नहीं था। राज्य में अपराध बढ़ने के आरोप पर गहलोत ने कहा, ''देश के गृहमंत्री के पास सभी तथ्य होते हैं ...राजस्थान पहला राज्य है जिसने प्राथमिकी दर्ज करना अनिवार्य किया। यह प्रयोग सफल रहा है। एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य करने के मामलों की संख्या बढ़ेगी लेकिन संख्या बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि अपराध बढ़ा है।जब मामलों की संख्या बढ़ रही है तो ये लोग आलोचना कर रहे हैं।'' गौरतलब है कि शाह ने जोधपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं के एक कार्यक्रम में राज्य में कानून व्यवस्था, किसान कर्ज माफी व अन्य मुद्दों को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा था। किसानों की कर्जमाफी पर गहलोत ने कहा,'' हमने 22 लाख किसानों के कर्ज माफ किए हैं।

ट्रस्ट का कहना है कि राम मंदिर निर्माण में 1800 करोड़ रुपये खर्च होंगे

नई दिल्ली। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण में 1800 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। मंदिर निर्माण के लिए गठित संस्था श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोमवार को यह जानकारी दी। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर राम मंदिर निर्माण के लिए गठित किए गए ट्रस्ट ने यहां चली लंबी बैठक के बाद ट्रस्ट के नियम और कायदों को अनुमोदन दिया ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि फैजाबाद सर्किट हाउस में आयोजित इस बैठक में ट्रस्ट के सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह फैसला किया कि राम जन्मभूमि परिसर में हिंदू धर्म से जुड़ी महान विभूतियों और साधु-संतों की प्रतिमाओं को भी स्थान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञों द्वारा पेश की गई रिपोर्ट के आधार पर लगाए गए ट्रस्ट के अनुमान के मुताबिक राम मंदिर निर्माण पर 1800 करोड़ रुपए खर्च होंगे। राय ने बताया कि लंबे अरसे तक सोच विचार और राम मंदिर निर्माण से जुड़े सभी लोगों के तमाम सुझावों पर आज की बैठक में ट्रस्ट से जुड़े नियम कायदों और बाइलॉज को अंतिम रूप दिया गया उन्होंने बताया कि इस बैठक में ट्रस्ट के 15 में से 14 सदस्यों ने हिस्सा लिया जिनमें निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र,

ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास, कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी, उडुपी पीठाधीश्वर विश्व तीर्थ प्रसन्नाचार्य प्रमुख रूप से शामिल थे। राम जन्मभूमि परिसर में भव्य मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है और इसके दिसंबर 2023 तक बनकर तैयार हो जाने का अनुमान है व मंदिर में जनवरी 2024 (मकर संक्राति) तक भगवान राम लला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हो जाने की संभावना है।

हत्या से जुड़े संदिग्ध आतंकी गिरोहों के संबंध में एनआईए की दिल्ली समेत कई जगहों पर छापेमारी

नई दिल्ली। पंजाबी गायक सिद्धू मूसे वाला की हत्या मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी सोमवार को देश के कई हिस्सों में छापेमारी कर रही है। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि एनआईए की छापेमारी मूसेवाले की हत्या से जुड़े संदिग्ध आतंकी गिरोहों के संबंध में की जा रही है। एनआईए ने दिल्ली, एनसीआर, हरियाणा और पंजाब के विभिन्न स्थानों पर तलाशी कर रही है।

मूसे वाला की हत्या के मामले में चंडीगढ़ पुलिस ने रविवार को अंतिम आरोपी शूटर दीपक मुंडी को उसके दो सहयोगियों के साथ पश्चिम बंगाल में भारत-नेपाल सीमा से गिरफ्तार किया था। मूसे वाला की नृशंस हत्या के मामले में अब तक पंजाब पुलिस ने 23 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

चंडीगढ़ पुलिस ने कहा कि आरोपियों को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे नेपाल भागने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार किए गए अन्य दो लोगों की पहचान कपिल पंडित

और राजिंदर उर्फ जोकर के रूप में हुई है।

इस ऑपरेशन को पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के साथ संयुक्त रूप से अंजाम दिया। पंजाब पुलिस ने कहा, जैसे ही पंजाब पुलिस ने मामले में छठे और आखिरी शूटर को गिरफ्तार किया, पूरी साजिश और तौर-तरीके के साथ-साथ इन गैंगस्टरों के लिंक-अप का भी खुलासा हुआ है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्य हत्यारे दीपक मुदी ने पंजाबी गायक पर अंधाधुंध गोलियां चलाई थीं।

अब तक 23 आरोपियों को किया जा चुका है गिरफ्तार-बता दें कि मूसे वाला हत्याकांड में कुल 35 लोग आरोपी हैं। इनमें से 23 को गिरफ्तार किया जा चुका है। दो को ढ़ेर कर दिया गया है। अन्य चार आरोपी देश से बाहर हैं और छह अभी भी फरार हैं। जबकि अमृतसर के भकना गांव में मुठभेड़ के दौरान दो शूटर मनप्रीत सिंह उर्फ मनु कुसा और जगरूप सिंह उर्फ रूपा को मार गिराया गया।

29 मई को हुई थी मूसे वाला की हत्या

गौरतलब है कि पंजाब के मनसा जिले के जवाहरके गांव में 29 मई को सिद्धू मूस वाला की हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह घटना पंजाब पुलिस द्वारा 424 अन्य लोगों की सुरक्षा वापस लेने के एक दिन बाद हुई थी। विशेष रूप से गायक पिछले साल दिसंबर में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे।

हाथापाई पर आई एकनाथ शिंदे-उद्धव ठाकरे कैंप की लड़ाई, 30 पर केस दर्ज; 5 गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे समूह की लड़ाई अब हाथापाई पर उतर आई है। इसका सबूत रविवार को हुई झड़प है, जिसमें शिंदे गुट के एक विधायक समेत 30 लोगों पर मामले दर्ज हुए। वहीं, 5 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। हालांकि, दोपहर में ही हुए जमानत पर जाने दिया गया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। खबर है कि मुंबई के न्यू प्रभादेवी इलाके में 12.30 बजे शिंदे गुट के सदस्य संतोष तलवने पर कथित तौर पर 30 लोगों ने हमला कर दिया। दोनों गुटों के बीच दादर इलाके में झड़प होने की जानकारी सामने आई थी। इसके चलते पुलिस ने उद्धव गुट के समर्थकों के खिलाफ दंगा का मामला दर्ज किया है। शिंदे कैंप के विधायक सदा सर्वांकर समेत 30 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा सर्वांकर और उनके समर्थकों के खिलाफ दंगा करने और आर्म्स एक्ट को लेकर एक और एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस बात की जानकारी पुलिस अधिकारी ने दी है। शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने शिंदे कैंप के विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने विधायक पर झड़प के मौके पर फायरिंग के आरोप लगाए हैं।

रेलवे अस्पताल में खिलाड़ी का हुआ ऑर्थोस्कोपिक सर्जरी-उनका कहना है कि शनिवार को गणेश विसर्जन के बाद दोनों समूहों के कार्यकर्ताओं में बहस हो गई। सावंत ने सर्वांकर पर दूसरे गुट को गाली देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जब हमारे कार्यकर्ता दादर पुलिस स्टेशन गए, तो उनकी शिकायत स्वीकार नहीं की गई। इधर, शिंदे गुट ने आरोपों को बचकाना बताया है। पुलिस उपायुक्त प्रणय अशोक ने कहा, पुलिस हाथापाई में शामिल लोगों की जानकारी जुटा रही है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नितिन गडकरी की ट्विटर पोस्ट पर बवाल, शिवसेना ने लगाए दहेज प्रथा को बढ़ावा देने के आरोप

नई दिल्ली। कार में 6 एयरबैग्स की बात पर जोर दे रहे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की एक पोस्ट से बवाल हो गया है। उन्होंने सड़क सुरक्षा अभियान से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया था, जिसे दहेज प्रथा से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके अलावा वीडियो में नजर आ रहे बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी राजनेताओं और सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आ गए हैं।

क्या है मामला-केंद्रीय मंत्री गडकरी ने 6 एयरबैग के समर्थन में शुक्रवार को एक वीडियो शेयर किया था। उन्होंने लिखा, 6 एयरबैग वाले गाड़ी से सफर कर जिंदगी को सुरक्षित बनाएं। इस वीडियो में कुमार भी नजर आ रहे हैं। अब यूजर्स का कहना है कि इस वीडियो के जरिए दहेज प्रथा का प्रचार किया जा रहा है। भारत में दहेज लेना

या देना दंडनीय अपराध है।

वीडियो में क्या है?

वीडियो में लड़की के विदाई के दृश्य को दिखाया गया है। नजर आ रहा है कि पिता बेटी को विदा करते हुए रो रहे हैं। इसी बीच अक्षय कुमार आते हैं और उन्हें बेटी-दामाद की सुरक्षा को लेकर सतर्क करते हैं। वह कहते हैं, ऐसी गाड़ी में बेटी को विदा करोगे तो रोना तो आएगा ही... इसके बाद पिता गाड़ी की खूबियां गिनाते हैं, लेकिन कुमार 6 एयरबैग के बारे में पूछते हैं। वीडियो के अंत में गाड़ी बदल दी जाती है।

- **जिसे दहेज प्रथा से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके अलावा वीडियो में नजर आ रहे बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी राजनेताओं और सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आ गए हैं।**

क्या सवाल उठे

शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, यह समस्या से भरा विज्ञापन है। कौन ऐसे क्रिएटिव्स को पास करता है? क्या सरकार सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए पैसा खर्च कर रही है या इस एड के जरिए दहेज को बढ़ावा दे रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता साकेत गोखले ने कहा कि भारत सरकार को आधिकारिक रूप से दहेज प्रथा को बढ़ाते हुए देखना बुरा है।

देश के इन इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट, जानें कहां कैसा रहेगा मौसम

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मध्य भारत में भारी बारिश की चेतावनी जारी है। विभाग ने कहा कि दक्षिण छत्तीसगढ़ के ऊपर बने दबाव के कारण अगले दो दिनों (सोमवार और मंगलवार) के दौरान मध्य भारत में भारी बारिश होने की संभावना है। यह दबाव 18 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और सोमवार की सुबह दक्षिण छत्तीसगढ़ और इससे सटे दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में गोंदिया से लगभग 95 किमी दक्षिण पूर्व और सिवनी (मध्य प्रदेश) से 185 किमी दक्षिण-पूर्व में केंद्रित हो गया। संभावना है कि यह दबाव क्षेत्र उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और अगले 12 घंटों के दौरान धीरे-धीरे कमजोर होगा।

विभाग के मुताबिक, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगीय पश्चिम बंगाल और पूर्वी मध्य प्रदेश में कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। इसके साथ ही ओडिशा और तेलंगाना में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों के साथ ही छत्तीसगढ़, ओडिशा और विदर्भ में छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

समुद्री तटों पर तेज हवाएं चलने की आशंका

उत्तर पश्चिम और पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और उत्तरी आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों पर मंगलवार को 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। सोमवार को उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों पर समुद्र की स्थिति बहुत खराब रहने की संभावना

जताई गई है।

इन इलाकों में पांच दिनों तक होगी भारी बारिश!

गंगीय पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में सोमवार को पूर्वी मध्य प्रदेश में सोमवार और मंगलवार को, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 15 सितंबर तक, ओडिशा, मराठवाड़ा और गुजरात, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र, कोंकण और गोवा में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की संभावना है।

उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट

सोमवार को तमिलनाडु, केरल, तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में गरज और बिजली गिरने के साथ भारी बारिश की संभावना है। अगले 5 दिनों के दौरान उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर, 15 सितंबर को हिमाचल प्रदेश और 15 सितंबर तक पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश और गरज के साथ बिजली गिरने की भी संभावना है। उत्तराखंड में 14 और 15 सितंबर को और पूर्वी राजस्थान में 15 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

क्रांतिकारी साधु स्वरूपानंदजी

मेरा-उनका आत्मीय संपर्क 50 साल से भी ज्यादा पुराना था। उनके गुरू करपात्रीजी महाराज और स्वामी कृष्णबोधाश्रम जी मेरी पत्नी वेदवती वैदिक को उपनिषद् पर पीएच.डी. के अनुसंधान में मार्गदर्शन किया करते थे। मेरे ससुर रामेश्वरदासजी द्वारा निर्मित साउथ एक्सटेंशन के धर्मभवन में मेरी पत्नी और स्वरूपानंदजी साथ-साथ इन महान विद्वानों से शिक्षा ग्रहण किया करते थे।

(लेखक-डॉ वेदप्रताप वैदिक)

स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के निधन पर सारे देश का ध्यान गया है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। इसके बावजूद कि स्वरुपानंदजी नरेंद्र मोदी की कई बार कड़ी आलोचना भी करते रहे हैं। यह मोदी की उदारता तो है ही लेकिन स्वरूपानंदजी के व्यक्तित्व की यह खूबी भी थी कि वे जो भी आलोचना या सराहना करते थे, उसके पीछे उनका अपना कोई राग-द्वेष नहीं था लेकिन उनकी अपनी राष्ट्रवादी दृष्टि थी। उन्हें जो ठीक लगता था, वह वे बेधड़क होकर बोल देते थे। मेरा-उनका आत्मीय संपर्क 50 साल से भी ज्यादा पुराना था। उनके गुरू करपात्रीजी महाराज और स्वामी कृष्णबोधाश्रम जी मेरी पत्नी वेदवती वैदिक को उपनिषद् पर पीएच.डी. के अनुसंधान में मार्गदर्शन किया करते थे। मेरे ससुर रामेश्वरदासजी द्वारा निर्मित साउथ एक्सटेंशन के धर्मभवन में मेरी पत्नी और स्वरूपानंदजी साथ-साथ इन महान विद्वानों से शिक्षा ग्रहण किया करते थे। वे वेदवती को अपनी बहन मानते थे। स्वरूपानंदजी ने अपने अंतिम समय तक मुझसे संबंध बनाए रखा। अभी दो-तीन साल पहले बड़े आग्रहपूर्वक उन्होंने जबलपुर के पास नरसिंहपुर में स्थित अपने आश्रम में मुझे बुलाया था। मेरा करपात्री महाराज और रामराज्य परिषद के नेताओं से बचपन में घनिष्ट संबंध रहा है। स्वरूपानंदजी भी रामराज्य परिषद में काफी सक्रिय रहे हैं। वे उसके अध्यक्ष भी थे। रामराज्य परिषद राष्ट्रवाद को मानती थी लेकिन हिंदुत्व को नहीं। वह कहा करते थे अरे, हिंदू तो रावण और कंस भी थे। रामराज्य में तो सब बराबर होते हैं। एराक में जब मस्जिदें गिराई गईं तब रामलीला मैदान में मुसलमानों की सभा में स्वामीजी पहुंचे हुए थे। 2002 में गुजरात में हुए दंगों का भी उन्होंने दो-टूक विरोध किया था। उन्होंने समान आचार संहिता, गोरक्षा अभियान, राम मंदिर आदि कई मामलों में अटलजी का डटकर समर्थन किया था। लेकिन शिरडी के सांई बाबा के विरुद्ध उनका अभियान इतना सफल रहा कि उनके भक्त उनका शताब्दि समारोह नहीं कर सके। वे कोरे धर्मध्वजी और भगवाधारी संन्यासी भर नहीं थे। उन्होंने 18 साल की आयु में जेल काटी। वे 1942 में स्वाधीनता आंदोलन के तहत सत्याग्रह करते हुए पकड़े गए थे। 1950 में उन्होंने संन्यास ले लिया और 1981 में वे शंकराचार्य की उपाधि से विभूषित हुए। मध्यप्रदेश के सिवनी जिले में जन्मे इन स्वामीजी का पहला नाम पोथीराम उपाध्याय था। लेकिन उनके पांडित्य और साहस की ध्वजा उनके युवा-काल से ही फहराने लगी थी। लोग उन्हें 'क्रांतिकारी साधु' कहा करते थे। वे द्वारका शारदापीठ और बद्रीनाथ की ज्योतिष पीठ के भी शंकराचार्य रहे। उन्होंने राजीव-लोंगोवाल समझौता करवाने और सरदार सरोवर विवाद हल करवाने में भी सक्रिय भूमिका अदा की थी। वे अंग्रेजी थोपने के भी कट्टर विरोधी थे। वे भाषाई आंदोलन में हमेशा मेरा साथ देते थे। वे यह भी चाहते थे कि दक्षिण और मध्य एशिया के सभी राष्ट्रों का एक महासंघ बने ताकि प्राचीन आर्यराष्ट्रों के लोग एक बृहद परिवार की तरह रह सकें। उन्हें मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि !

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

एक पिता अपने बेटे से : बेटा , मैं तुम्हें इतना मारता हूं , तुम अपना गुस्सा कैसे कंट्रोल करते हो ?

बेटा : जब आप मुझे मारते हैं , तो मैं टॉयलेट साफ करने लगता हूं।

पिता : बेटा , टॉयलेट साफ करने से गुस्सा कैसे कंट्रोल होगा ?

बेटा : मैं टॉयलेट आपके टूथ ब्रश से साफ करता हूं।

☺ ☺ ☺

उस दिन एक मुर्दा दूसरे मुर्दे से कह रहा था : ' जब हम जिंदा थे और किसी का कुछ बिगाड़ सकते थे तो लोग हमसे डरते नहीं थे। लेकिन अब जब कि हम किसी का कुछ नहीं बिगाड़ सकते और कब्र में दफन पड़े हैं , तो रात को लोग कब्रिस्तान में आने से भी डरते हैं। '

☺ ☺ ☺

मैं उस सामने वाली दुकान से एक किलो चीनी एक रुपए में खरीद सकता हूं। '

उसके दोस्त को विश्वास नहीं हुआ। दोनों में 100- 100 रुपए की शर्त लग गई।

दोनों दुकान पर पहुंचे : चीनी कैसे दी ? 18 रुपए किलो। ठीक है।

एक किलो चीनी तौल कर पोलिथीन बैग में डाल दो।

और यह लो 17 रुपये इस थैली के और एक रुपया चीनी का।

☺ ☺ ☺

मज़बूत विपक्ष देश की सबसे बड़ी ज़रुरत

(लेखिका-निर्मल रानी)

विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं को या तो पद अथवा पैसों की लालच देकर ख़रीदा जा रहा है या ई डी,सी बी आई व इनकम टैक्स जैसे विभागों का भय दिखाकर उन्हें अपने पक्ष में किया जा रहा है। क्या तमाशा है कि विपक्षी दलों में रहकर ई डी,सी बी आई व इनकम टैक्स से डरने वाला नेता जब सत्ता के पक्ष में आ जाता है तो वह भय मुक्त हो जाता है ?

वैसे तो राजनीति शास्त्र के अनुसार लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता पर नकेल कसने के लिये विपक्ष का मज़बूत होना बहुत ज़रूरी है। अन्यथा सत्ता के पक्ष में आया प्रचंड बहुमत और साथ साथ विपक्ष का बिखरा व कमज़ोर होना सत्ता को अहंकारी व बेलगाम कर सकता है। यहाँ तक कि तानाशाही के रास्ते पर भी ले जा सकता है। पूर्व में भारत की राजनीति में पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर राजीव गाँधी,अटल बिहारी बाजपाई व मनमोहन सिंह के शासनकाल तक में यह देखा गया है कि जहां मज़बूत विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका निभाता आया है वहीँ सत्ता द्वारा भी विपक्ष को पूरा मान सम्मान दिया जाता रहा है और संसद में उसे अपनी बात कहने व सुझाव अथवा कोई आवश्यक संशोधन पेश किये जाने का अवसर दिया जाता रहा है। परन्तु 2014 के बाद देश की राजनीति में एक बड़ा परिवर्तन देखा जा रहा है। 'डबल इंजन की सरकार ' के नाम पर राज्यों में सक्रिय दलों को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस मुक्त भारत जैसा ग़ैर लोकतान्त्रिक नारा देकर मुख्य विपक्षी दल को समाप्त करने की साज़िश रची जा रही है। विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं को या तो पद अथवा पैसों की लालच देकर ख़रीदा जा रहा है या ई डी,सी बी आई व इनकम टैक्स जैसे विभागों का भय दिखाकर उन्हें अपने पक्ष में किया जा रहा है। क्या तमाशा है कि विपक्षी दलों में रहकर ई डी,सी बी आई व इनकम टैक्स से डरने वाला नेता जब सत्ता के पक्ष में आ जाता है तो वह भय मुक्त हो जाता है ? यानी भ्रष्टाचारी का 'गंगा स्नान' हो जाता है। हद तो पिछले दिनों उस समय हो गयी जबकि यू पी ए की चेयरपर्सन व कांग्रेस अध्यक्ष जैसे पदों पर रही सोनिया गाँधी व कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष राहुल गाँधी को ई डी के दफ़्तर में बार बार बुला कर उन्हें नीचा दिखाने व उनका मनोबल तोड़ने की कोशिश की गयी। आज देश में मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में तोड़ फोड़,ख़रीद फ़रोख़्त या ई डी का भय दिखाकर बनाई जाने वाली सरकारें चल रही हैं। बहरहाल,विपक्ष को समाप्त करने की सत्ता की इन कोशिशों के मध्य एक बार फिर विपक्ष को एकजुट करने की कोशिशें तेज़ हो गयी हैं। इस बार विपक्षी एकता की धुरी बने हैं बिहार के मुख्य मंत्री नितीश कुमार।अकाली दल और शिव सेना की ही तरह नितीश कुमार के जे डी यू का भी भारतीय जनता पार्टी के साथ एन डी ए का हिस्सा बनने का लंबा अनुभव था। परन्तु जब उन्हें यह एहसास होने लगा कि भाजपा अपने 'विपक्ष मिटाओ' विशेषकर क्षेत्रीय दल मिटाओ अभियान के तहत जे डी यू को भी निगलने की फ़िराक़ में है। तभी उनकी आँखें खुलीं और वे भाजपा से नाता तोड़ कर 'भाजपा भगाओ' मुहिम के सूत्रधार बन बैठे। पिछले दिनों विपक्ष को एकजुट करने के अपने इसी अभियान के तहत नितीश कुमार ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गाँधी,सीता राम येचुरी,अरविन्द केजरीवाल,डी. राजा, मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव, ओम प्रकाश चौटाला, शरद यादव व एचडी कुमारस्वामी आदि नेताओं से मुलाक़ात की। वे भजपा विरोधी सभी दलों को राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट कर भाजपा के 'अपराजेय' होने का भ्रम तोड़ना चाहते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव भी राष्ट्रीय स्तर पर किसी ऐसे ही विपक्षी गठबंधन को आकार देने के प्रयास में हैं। परन्तु इन नेताओं की कोशिशों से इतर कुछ नेता ऐसे भी हैं जिनकी नज़रें भाजपा को सत्ता से हटाने से ज़्यादा इस बात पर टिकी हैं कि किस तरह उनका प्रधानमंत्री बनना अथवा मुख्यमंत्री बनना सुनुश्चित हो सके। किस तरह उनके संगठन के विस्तार की निरंतरता बनी रही और वे एक राज्य के बाद दूसरे और दूसरे के बाद तीसरे फिर चौथे राज्य में अपना जनाधार बढ़ाते रहें। और इन्हीं में कुछ ऐसे दल भी हैं जो धर्मनिरपेक्षता की दुहाई भी देते हैं और साथ ही कांग्रेस को भी भाजपा जैसा ही अपना दुश्मन भी समझते हैं। ऐसे ही दल व उनके नेता ग़ैर भाजपा व ग़ैर कांग्रेस मोर्चे के गठन की बात करते हैं। जबकि हक़ीक़त यह है कि लाख कमज़ोर होने के बावजूद किसी भी विपक्षी दल के लिये कांग्रेस की अनदेखी कर पाना संभव नहीं है। चाहे वे समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव हों,बसपा की मायावती,आप के अरविंद केजरीवाल,तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी, ए आई आई एम के असदुद्दीन ओवैसी या भाजपा का सैद्धांतिक रूप से विरोध कर रहे और कोई संगठन। वर्तमान में इन सभी को अपनी निजी व अपने दलों की राजनैतिक महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर सोचने की ज़रुरत है। यदि यह दल व इनके नेता भाजपा को देश के लोकतंत्र के लिये यहाँ तक कि देश के संविधान व देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के लिये ख़तरा मानते हैं फिर किसी कांग्रेसयुक्त विपक्षी गठबंधन से पहले ही इन्हें अपने दल के पैर पसारने,अपनी गद्दी सुरक्षित करने जैसी चिंताएं आख़िर क्यों सताने लगती हैं। विपक्षी एकता में बाधा बनने वाले तथा भाजपा की ही तरह कांग्रेस से भी भयभीत दिखाई देने वाले नेता व दल इस तथ्य की अनदेखी क़तई नहीं कर सकते कि इस समय राहुल गांधी ही देश के अकेले विपक्षी नेता हैं जो किसी ई डी व सी बी आई की परवाह किये बिना जनसरोकार के मुद्दों को लेकर सत्ता पर लगातार हमलावर हैं। पिछले दिनों दिल्ली के रामलीला मैदान में 'मंहगाई पर हल्ला बोल' जैसा विशाल व ऐतिहासिक आयोजन कर और अब कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा के द्वारा जो राष्ट्रीय प्रयास राहुल गाँधी व कांग्रेस द्वारा किये जा रहे हैं इस तरह का आयोजन कर पाना किसी भी कांग्रेस विरोधी क्षेत्रीय दल के बूते की बात नहीं। इसलिये यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि नितीश कुमार व के चंद्रशेखर राव जैसे नेताओं के विपक्षी एकता के लिये किये जा रहे प्रयासों में यदि कोई भी दल या नेता किसी तरह के किन्तु परन्तु का सहारा लेकर विपक्षी एकता में पलीता लगाने की कोशिश करता है तो इससे दो ही निष्कर्ष निकाला जा सकता है। या तो वह दक्षिणपंथी सांप्रदायिक शक्तियों की कठपुतली बनकर ऐसा कर रहा है या फिर उसे भी अपने किये गये दुष्कर्मों के चलते ई डी व सी बी आई का भय सता रहा है। अन्यथा सच तो यही है कि अनियंत्रित व अहंकारी सत्ता के इस दौर में राष्ट्रीय स्तर पर मज़बूत व एकजुट विपक्ष ही वर्तमान समय में देश की सबसे बड़ी ज़रुरत है।

विचार मंथन

विपक्षी एकजुटता के मायने

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

नीतीश कुमार की तरह ममता बनर्जी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के विजय रथ को रोकने के लिए विपक्षी एकजुटता का आह्वान किया है। हालांकि, उन्होंने पश्चिम बंगाल में ही वर्षों तक राज करने वाली लेफ्ट पार्टियों के साथ-साथ कांग्रेस से भी परहेज किया है। ममता जब विपक्षी एकता की बात कर रही थीं तो उन्होंने सिर्फ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव का नाम लिया। ममता बनर्जी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए जिन विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाने की बात कही है, उनका जनाधार अपने राज्यों के बाहर नहीं है। भाजपा भी लगातार यह बात कहती आ रही है कि किसी एक राज्य में तो महागठबंधन का फार्मूला चल सकता है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर इसकी व्यावहारिकता नहीं दिखती है। ममत बनर्जी, नीतीश कुमार, अखिलेश यादव और हेमंत सोरेन जैसे नेता अगर चुनाव से पहले एक गठबंधन बना भी लें तो इससे भाजपा की ताकत कमजोर नहीं होने वाली है। ऐसा इसलिए कि झारखंड में हेमंत सोरेन जरूर मजबूत हैं, लेकिन वहां ममता बनर्जी या अखिलेश यादव का कोई जनाधार नहीं है। ऐसे ही यूपी में अखिलेश यादव के पास अपने वोट बैंक है, लेकिन यहां ममता बनर्जी, नीतीश कुमार और हेमंत सोरेन जैसे नेताओं का आधार नहीं है। हालांकि, लोकसभा चुनाव के परिणाम में अगर भाजपा पिछड़ती है तो इनके साथ आने पर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की कुर्सी से दूर हो सकते हैं। मगर ऐसा हो पाना अभी तो नामुमकिन है। ममता बनर्जी ने टीएमसी नेताओं और कार्यकर्ताओं के अपने संबोधन में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का तो नाम लिया, लेकिन उन्होंने लालू यादव का नाम लेने से परहेज किया, जो कि आरजेडी के मुखिया हैं। बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू इन दिनों आरजेडी के सहयोग से सत्ता चला रही है। कांग्रेस का भी इसमें साथ है। इस महागठबंधन में आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी है। दोनों ही दलों को बिहार से बाहर कोई ठोस जनाधार नहीं है। जेडीयू के अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में कुछ विधायक जरूर जीतते हैं, लेकिन हिंदी पट्टी में उनकी स्थिति कोई अच्छी नहीं है। आरजेडी का पूरा फोकस बिहार पर ही केंद्रित रहा है। झारखंड पश्चिम बंगाल का पड़ोसी राज्य है। ममता बनर्जी ने हेमंत सोरेन के साथ गठबंधन की तो बात कही है, लेकिन कांग्रेस का अभी तक नाम नहीं लिया है। जेएमएम इन दिनों कांग्रेस के साथ मिलकर झारखंड में सरकार चला रही है। ऐसे में यहां वैसे भी ममता के जेएमएम से गठबंधन के आसार नहीं बन रहे हैं। हेमंत सोरेन को अपने पाले में करने के लिए ममता बनर्जी पूरी कोशिश कर रही है। हाल ही में ममता बनर्जी ने दावा किया कि हाल ही में बंगाल पुलिस ने झारखंड के विधायकों को बहुत अधिक नकदी के साथ गिरफ्तार करके पड़ोसी राज्य में खरीद-फरोख्त को रोका और हेमंत सोरेन सरकार को गिरने से बचाया। झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार का हिस्सा रही कांग्रेस ने दावा किया है कि भाजपा विधायकों को 10-10 करोड़ रुपए और मंत्री पद की पेशकश करके हेमंत सोरेन सरकार को गिराने की कोशिश कर रही थी। ऐसे में यह कहना सियासी रूप से जल्दबाजी होगी कि अलग-अलग राज्यों के बड़े नेताओं के एकसाथ आने से 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन पर कोई असर पड़ेगा।

लोकसभा चुनाव

विपक्ष में प्रधानमंत्री पद को लेकर रस्साकशी

(लेखक- कुमार कृष्णन)

2024 में दो साल बांकी है। इस साल लोकसभा चुनाव होने हैं। अभी से ही विपक्ष में प्रधानमंत्री पद को लेकर रस्साकशी शुरू हो गई है। विपक्ष एकजुट होकर पीएम मोदी का मुकाबला करेगा या फिर 2019 की तरह ही बिखरा होगा, यह सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है। हाल ही में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन छोडक़र राष्ट्रीय जनता दल के साथ बिहार में सरकार बनाने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्ष को एकजुट करने की मुहिम शुरू की है। नीतीश कुमार के अलावा तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के अलावा कई चेहरे अभी पर्दे के पीछे से अपनी राजनीतिक बिसात बिछाने में लगे हुए हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव पिछले दिनों बिहार आए थे। जाहिर है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनकी मुलाकात तय थी। आजकल ऐसी मुलाकातें सियासी तौर पर महत्त्वपूर्ण हैं, क्योंकि 2024 के आम चुनाव के मद्देनजर विपक्ष का महागठबंधन बनाया जाना है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इन दिनों दिल्ली की यात्रा पर गए और राहुल गांधी व अन्य नेताओंसे मुलाकात की। उनकी इस यात्रा को प्रधानमंत्री पद की दौड़ का ही हिस्सा माना जा रहा है। हालांकि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने की इच्छा से इनकार करते रहे हैं । नीतीश कुमार को पहले ही शरद पवार, उद्धव ठाकरे, सीताराम येचुरी और अन्य लोगों से बहुत उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल चुकी है। ऐसे में नीतीश कुमार इन दिनों कुछ अधिक सक्रिय दिख रहे हैं। जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना स्थित पार्टी मुख्यालय पहुंचे थे तो यहां उनके समर्थकों ने देश का प्रधानमंत्री कैसा हो, नीतीश कुमार जैसा हो के नारे लगाए। इतना ही नहीं उनकी पार्टी ने अपने दफ्तर और पटना की सडक़ों पर बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगवाए हैं, जिसके जरिए उनकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा को जनता तक ले जाने की कोशिश की जा रही है। इन बैनरों पर लिखा है- बिहार में दिखा, भारत में दिखेगा। नीतीश कुमार ने विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से भी बात होने की बात कही। नीतीश कुमार की इस अपील का ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस बेखबर है। तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि 2024 का चुनाव अकेले लड़ेगी और भाजपा को सत्ता से बेदखल करेगी। ऐसे में महागठबंधन के नेतृत्व पर भी विमर्श स्वाभाविक है। नीतीश की एक हुंकार तो सार्वजनिक हुई है- 'इस बार थर्ड नहीं, मेन फ्रंट होगा।' दरअसल एक काव्यांश है कि पीएम पद की उल्फत ऐसी कि न कही जाए, न सही जाए।' लिहाजा आजकल ऐसी उल्फतें करवटें लेने लगी हैं। नीतीश ने मुख्यमंत्री पद की नई शपथ ली थी, तो उसके बाद उन्होंने कहा था कि देश भर से उन्हें फोन आ रहे हैं। उनकी जो भी व्याख्या की जाए, कमोबेश वे सभी फोन नीतीश को प्रधानमंत्री प्रत्याशी तय करने के लिए नहीं किए गए थे। इसकी बानगी चंद्रशेखर राव के साथ उनकी साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सामने आई। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने बिहार के मुख्यमंत्री की राजनीतिक समझ और सरकार के कार्यों की सराहना तो की, लेकिन प्रधानमंत्री पद के लिए नीतीश की दावेदारी और उम्मीदवारी का एक बार भी समर्थन नहीं किया। चूंकि सवालों की बौछार थी, लिहाजा नीतीश बार-बार कन्नी काटते रहे और जाने को खड़े भी हो गए, लेकिन चंद्रशेखर राव लगातार उन्हें बैठने का आग्रह करते रहे। प्रस्तावित महागठबंधन में कांग्रेस और राहुल गांधी की भूमिका क्या होगी, यह सवाल निरंतर अनुत्तरित छोड़ा गया। हालांकि बाद में कांग्रेस प्रवक्ता स्पष्ट करते रहे कि कांग्रेस विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है। सबसे ज्यादा राज्यों में उसके 'नेता प्रतिपक्ष' भी हैं, लिहाजा विपक्ष को कोई जनादेश मिलता है, तो राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री होंगे। चंद्रशेखर राव का उदाहरण तो सामने है। ममता बनर्जी, शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, हेमंत सोरेन, डा. फारूक अब्दुल्ला और वामपंथी दलों की ओर से, नीतीश के पक्ष में, एक भी बयान नहीं आया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंक, सूचना प्रौद्योगिकी के साथ ही ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में हुई भारी खरीददारी से बाजार उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 321.99 अंक करीब 0.54 फीसदी ऊपर आकर तीन सप्ताह के उच्चस्तर 60,115.13 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 103 अंक तकरीबन 0.58 फीसदी बढ़कर 17,936.35 अंक पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार विदेशी निवेशकों की जमकर खरीदारी के साथ ही कच्चे तेल के 93 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बने रहने और मजबूत आर्थिक आंकडों से भी निवेशकों की धारणा को बल मिला। सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन में सबसे अधिक 2.39 फीसदी की बढ़त रही जबकि एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा और टाटा स्टील, आरआईएल, इन्फोसिस, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और एलएंडटी के शेयर भी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर एचडीएफसी के शेयर सबसे अधिक 0.43 फीसदी गिरे। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक और नेस्ले के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी। वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की मजबूती के साथ बंद हुआ जबकि हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई कंपोजिट और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी छुट्टी के कारण बंद रहा था।

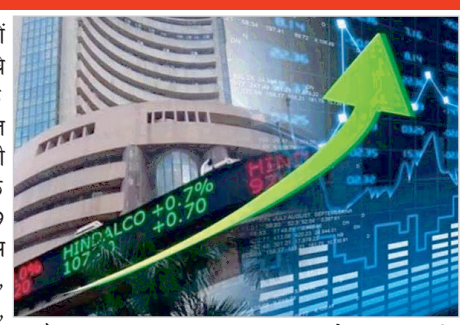

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में तेजी

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया ऊपर आया है। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन विदेशी कोषों का निवेश बढ़ने के बीच ही रुपया नुकसान से उबर गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया दो पैसे ऊपर आकर 79.55 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 79.66 पर खुला। दिन के कारोबार के दौरान यह 79.47 के ऊपरी और 79.72 के निचले स्तर पर पहुंचा। अंत में यह डॉलर के मुकाबले 79.55 पर बंद हुआ। इसी प्रकार रुपये में पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे का सुधार आया है। इससे पहले शुक्रवार को रुपया 79.57 पर बंद हुआ था। इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.89 फीसदी नीचे आकर 108.03 रह गया।

रेलवे का राजस्व 38 फीसदी बढ़कर 95,486.58 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारतीय रेल की आय में जोरदार बढ़ोतरी हुई है। रेलवे का कुल राजस्व् अगस्त 2022 के ओ खिर में 38 फीसदी बढ़कर 95,486.58 करोड़ रुपए हो गया। यह आंकड़ा एक साल पहले की समान अवधि में 26,271.29 करोड़ रुपए था। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि रिपोर्टिंग पीरियड में यात्री यातायात से राजस्व 25,276.54 करोड़ रुपए था, जो सालाना आधार पर 116 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। एक साल पहले यह आंकड़ा 13,574.44 करोड़ रुपए था। आरक्षित और अनारक्षित दोनों खंडों में पिछले साल की तुलना में यात्री यातायात में वृद्धि हुई है। रेलवे ने कहा कि लंबी दूरी की आरक्षित मेल एक्सप्रेस ट्रेनों की वृद्धि दर उपनगरीय रेलगाड़ियों की तुलना में अधिक रही है। अन्य कोचिंग राजस्व 2,437.42 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 50 फीसदी ज्यादा है। बयान में कहा गया है कि पार्सल खंड में मजबूत वृद्धि देखी गई। इस साल अगस्त के ओ खिर तक माल राजस्व 10,780.03 करोड़ रुपए या 20 फीसदी बढ़कर 65,505.02 करोड़ रुपए हो गया। गौरतलब है कि रेलवे लगातार आय में बढ़ोतरी पर काम कर रही है। देश में ही रेल पहियों का निर्माण हो और निर्यात कर मुनाफा कमाया जाए, इसको लेकर रेलवे ने ब्लूप्रिंट बना लिया है। पहिया प्लांट बनाने के लिए एक निविदा जारी की गई है जो हर साल कम से कम 80,000 पहियों का निर्माण करेगी। हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि यह पहली बार है कि रेलवे ने निजी कंपनियों को भारत में हाई स्पीड ट्रेनों के लिए व्हील प्लांट और व्हील बनाने के लिए आमंत्रित करने करने के लिए टेंडर जारी किया है।

सरकार ई-वाहनों के लिये सौर और पवन ऊर्जा आधारित चार्जिंग व्यवस्था को कर रही प्रोत्साहित : गडकरी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार देश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बिजली चालित बनाने के लिए तैयार है। इस आशय की बात केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कही। उन्होंने कहा कि सरकार सौर ऊर्जा के जरिए इलेक्ट्रिक राजमार्गों के विकास पर काम कर रही है। यह कदम अधिक माल ढुलाई क्षमता वाले ट्रकों और बसों की चार्जिंग को सुगम बनाएगा। उद्योग मंडल इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी) के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने यह बात दोहराई कि सरकार देश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बिजली चालित बनाना चाहती है। उन्होंने कहा, 'सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के लिये सौर और पवन ऊर्जा आधारित चार्जिंग व्यवस्था के विकास को प्रोत्साहित कर रही है।' मंत्री ने कहा, 'हम इलेक्ट्रिक राजमार्ग के विकास पर भी काम कर रहे हैं। यह सौर ऊर्जा के जरिये संचालित होंगे। इससे भारी माल ढुलाई क्षमता वाले वाले ट्रकों और बसों को यात्रा के दौरान चार्ज करने में सुविधा होगी।' एक इलेक्ट्रिक राजमार्ग से आशय ऐसी सड़क से है जो उसपर यात्रा करने वाले वाहनों को बिजली की आपूर्ति करती है। इसमें 'ओवरहेड' बिजली की लाइन के जरिये ऊर्जा की आपूर्ति शामिल है। गडकरी ने कहा कि सड़क मंत्रालय टोल प्लाजा को सौर ऊर्जा से चलाने के लिये भी प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक अच्छी तरह से विकसित बुनियादी ढांचा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाता है, नई कंपनियां सृजित करता है और रोजगार के अवसर बढ़ाता है। 'हम 26 नये एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रहे हैं।' गडकरी ने कहा कि पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान की शुरुआत के साथ परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी मिलेगी और इससे 'लॉजिस्टिक' लागत में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों स्वाभाविक भागीदार हैं। उन्होंने अमेरिका के निजी निवेशकों को भारत के 'लॉजिस्टिक, रोपवे और केबल कार' क्षेत्रों में निवेश के लिये आमंत्रित किया। मंत्री ने यह भी कहा कि करीब तीन करोड़ पेड़ राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास लगाये जाएंगे और सरकार राजमार्गों के निर्माण और विस्तार के दौरान पेड़ लगाने के चलन को अपना रही है। अबतक हमने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में 27,000 पेड़ एक जगह से दूसरी जगह सफलतापूर्वक लगाये हैं। गडकरी ने कहा कि सरकार पेड़ काटने और लगाने के लिये 'पेड़ बैंक' नाम से नई नीति बनाने की तैयारी कर रही है।

योग गुरु रामदेव की चार कंपनियां लाएंगी आईपीओ

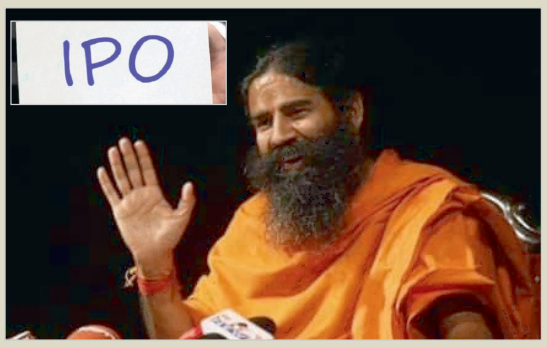

नई दिल्ली । योग गुरु रामदेव की 4 कंपनियों का आईपीओ आने वाला है। उन्होंने एक सामाचार चैनल से वार्ता के दौरान ये बात कही। रामदेव ने बताया कि जिन कंपनियों का आईपीओ लाने की योजना है उनके नाम पतंजलि आयुर्वेद, पतंजलि वेलनेस, पतंजलि मेडिसिन और पतंजलि लाइफस्टाइल है। ये आईपीओ अगले 5 साल के अंदर आएंगे। रामदेव की एक अन्य कंपनी, पतंजलि फूड्स पहले से शेयर बाजार में लिस्टेड है। दरअसल, पतंजलि आयुर्वेद ने 2019 में रुचि सोया का अधिग्रहण किया था जो एक लिस्टेड कंपनी थी। इसी साल रुचि सोया का नाम बदलकर पतंजलि फूड्स कर दिया गया। यह सौदा करीब 4,300 करोड़ रुपए का था। शुक्रवार को पतंजलि फूड्स के शेयर 1380.35 रुपए पर बंद हुए थे। कारोबार के दौरान बीएसई पर ये शेयर 1400 रुपए तक पहुंचा था जो इसका 52 हफ्तों का सर्वोच्च स्तर है। सोमवार को शुरुआती कारोबार में इसके शेयरों में बेहद मामूली बढ़त दिख रही है। कंपनी की योजना 15 लाख एकड़ से अधिक जमीन पर पाम की खेती करने की है! कंपनी अगले 5-7 साल में इस कारोबार से 2 हजार करोड़ रुपये का सालाना का लाभ बनाने का लक्ष्य कर रही है। कंपनी ने 31 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में ऑयल पाम मिल की आधारशिला रखी थी। कंपनी राज्य के 9 जिलो में पाम के पेड़ लगाएगी। गौरतलब है कि एक पेड़ से करीब 40 साल तक तेल निकल सकता है। बाबा रामदेव का कहना है कि वह पतंजलि फूड्स को कर्ज मुक्त रखना चाहते हैं।

देश में टूटे चावल के निर्यात पर रोक से चीन में बढ़ सकता है खाद्य संकट

मुंबई । देश में टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने से चीन में खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है। बीजिंग टूटे चावल का सबसे बड़ा खरीदार है। ऐसे में भारत के इस फैसले से चीन में आपूर्ति श्रंखला प्रभावित हो सकती है। चीन में टूटे चावल का इस्तेमाल मुख्य रूप से पशुचारे, नूडल्स और शराब बनाने में किया जाता है। भारत कुछ अफ्रीकी देशों के लिए टूटे चावल का महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता है लेकिन चीन की कृषि सूचना नेटवर्क की ओर से प्रकाशित एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन भारतीय टूटे चावल का सबसे बड़ा खरीदार है। उसने अप्रैल, 2021 में भारत से 11 लाख टन टूटे चावल का आयात किया था। वहीं भारत ने 2021 में रिकॉर्ड 2.15 करोड़ टन चावल का निर्यात किया था, जो दुनिया के शीर्ष चार निर्यातकों थाइलैंड, वियतनाम, पाकिस्तान और अमेरिका के कुल निर्यात से ज्यादा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि भू-राजनीतिक हालात की वजह से टूटे चावल की वैश्विक मांग बढ़ी, जिससे पशुचारे सहित अन्य कमोडिटी की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। भारत दुनिया में चावल का सबसे निर्यातक है। वैश्विक निर्यात में इसकी 40 फीसदी हिस्सेदारी है। भारत 150 से ज्यादा देशों को चावल बेचता है। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस-यूक्रेन युद्ध, हीट वेव और दुनिया के कई इलाकों में सूखे की वजह से खाद्य कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में भारत के चावल निर्यात पर रोक से खाद्य संकट बढ़ सकता है।

अनिल अंबानी की आरआईएल ने अडानी ट्रांसमिशन पर दायर किया 13,400 करोड़ रुपए वसूली का दावा

नई दिल्ली । कठिन दौर से गुजर रही अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (आरआईएल) के लिए राहत की खबर है कंपनी ने अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड के खिलाफ 1.7 अरब डॉलर यानी 13,400 करोड़ रुपये का आर्बिट्रेशन क्लेम दायर किया है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर का आरोप है कि अडानी ट्रांसमिशन ने अपने मुंबई पावर डिस्ट्रिब्यूशन कारोबार को बेचने के सौदे में शर्तों का उल्लंघन किया है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, रिलायंस ने शिकायत में दिसंबर 2017 के समझौते की शर्तों में उल्लंघन का हवाला दिया है। अनिल अंबानी की कंपनी ने मुंबई सेंटर फॉर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन के समक्ष अपने दावे में अडानी को घेरा है। हालांकि कंपनी ने इस संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। बता दें कि अडानी ग्रुप ने साल 2017 में 18,800 करोड़ रुपये की डील के तहत रिलायंस इंफ्रा (तत्कालीन रिलायंस एनर्जी) के मुंबई बिजली कारोबार का अधिग्रहण कर लिया था। इसमें उत्पादन, वितरण और ट्रांसमिशन शामिल था। इस डील ने अडानी ग्रुप को डिस्ट्रिब्यूशन कारोबार में पैर जमाने में मदद की, जिससे उसे एक जनरेशन और ट्रांसमिशन कंपनी से पूरी तरह से एकीकृत पावर यूटिलिटी में बदलने में मदद मिली। रिलायंस एनर्जी ने मुंबई में करीब 30 लाख उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा किया है। अडानी ट्रांसमिशन भारत के प्राइवेट सेक्टर की सबसे बड़ी ट्रांसमिशन और बिजली वितरण इकाई है। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर अडानी ट्रांसमिशन का शेयर 3910 के स्तर पर खुला, जबकि पिछले कारोबारी दिन यह 3931.65 पर बंद हुआ था। मौजूदा समय में कंपनी का मार्केट कैप करीब 4,38,812.51 करोड़ रुपये है। इस मामले में अभी तक अडानी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इधर रिलांयस इंफ्रा की तरफ से भी इस संबंध में कुछ नहीं बताया गया है। साल 2017 में दोनों कंपनियों के बीच ये डील हुई थी। एमसीआईए साइट पर एक बयान के मुताबिक, मुंबई अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (एमसीआईए) भारत में अपनी तरह का पहला मध्यस्थता संस्थान है, जिसे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कानूनी समुदायों के बीच संयुक्त पहल में स्थापित किया गया है।

अकासा एयर ने पायलटों का वेतन 60 फीसदी तक बढ़ाया

नई दिल्ली । भारत की नई एयरलाइन अकासा एयर ने पायलटों के वेतन में भारी बढ़ोतरी की है। अभी तक वेतन में इतनी बढ़ोतरी किसी अन्य एयरलाइन ने नहीं की है। वहीं अकासा आने वाले समय में और कर्मचारियों को हायर करने की भी योजना बना रही है। खबर के मुताबिक भारत अकासा एयर ने सभी पायलटों के वेतन में औसतम 60 फीसदी तक का इजाफा किया है। अब अक्टूबर से कैप्टन की सैलरी 4.5 लाख रुपए प्रति माह से शुरू होगी। वहीं फर्स्ट ऑफिसर का वेतन 1.8 लाख रुपए से शुरू होगा। अभी ये वेतन 2.79 लाख रुपए और 1.11 लाख रुपए है। जानकारों के मुताबिक विशेषज्ञता और उड़ान के घंटों के आधार पर वेतन और ज्यादा बढ़ सकता है। ऐसे में एक कप्तान हर महीने 70 घंटे की अधिकतम सीमा पर 8 लाख रुपए तक कमा सकता है, जो मौजूदा समय में मिल रहे रुपयों से करीब 28 फीसदी अधिक है। बताया जा रहा है कि कंपनी ने जिस तेजी से विस्तार करने की योजना बनाई है, उसके लिए और पायलटों की जरूरत है। एयरलाइन के पास वर्तमान में 4 बोइंग 737 मैक्स हैं और मार्च 2023 तक 18 अतिरिक्त विमानों को शामिल करने की योजना है। एक एयरलाइन आमतौर पर रिजर्व सहित प्रति विमान 12 पायलट चाहती है।

पैसेंजर वाहनों की थोक बिक्री में 21 प्रतिशत का इजाफा

-सेमीकंडकर सप्लाई में सुधार के बढी वाहनों की मांग

नई दिल्ली ।

अगस्त महीने में पैसेंजर वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वाहनों की यह मांग सेमीकंडकर सप्लाई में सुधार और फेस्टिव सीजन के चलते बढी है। वाहन बनाने वाली कंपनियों के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने डीलरों को 2,81,210 यात्री वाहनों की सप्लाई की गयी थी, जबकि अगस्त 2021 में यह आंकड़ा 2,32,224 इकाई था। सियाम ने कहा कि यात्री कारों की थोक बिक्री पिछले महीने 23 प्रतिशत बढ़कर 1,33,477 इकाई हो गई है। एक साल पहले की इसी समय यह 1,08,508 इकाई थी।इसके अलावा यूटिलिटी वाहनों की आपूर्ति अगस्त में 20 प्रतिशत बढ़कर 1,35,497 इकाई पर पहुंच गई है, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 1,12,863 इकाई थी। इसी तरह पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 16 प्रतिशत बढ़कर 15,57,429 इकाई हो गई है। अगस्त 2021 में यह 13,38,740 इकाई थी। वहीं, पिछले महीने मोटरसाइकिल की थोक बिक्री भी 23 प्रतिशत बढ़कर 10,16,794 इकाई हो गई है। पिछले साल अगस्त माह में इसकी 8,25,849 इकाई बिकी थीं।सियाम ने कहा कि पिछले महीने 10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,04,146 स्कूटरों की बिक्री हुई। अगस्त 2021 में यह संख्या 4,60,284 इकाई थी। सियाम के अनुसार इस साल अगस्त में सभी सेगमेंट में बिक्री 18 प्रतिशत बढ़कर 18,77,072 इकाई पर पहुंच गई है। पिछले साल अगस्त माह में यह आंकड़ा 15,94,573 इकाई का था। संगठन ने कहा कि सेमीकंडकर की कमी में सुधार और फेस्टिव सीजन की मांग के चलते सप्लाई में तेजी आई है। वहीं, सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि अच्छे मानसून और आने वाले त्योहारी सीजन से मांग बढ़ने की संभावना है।

महिंद्रा लाइफस्पेस तीस से चालिस हजार करोड़ रुपये की बिक्री संभावनाओं वाले भूमि के टुकड़े खरीदेगी

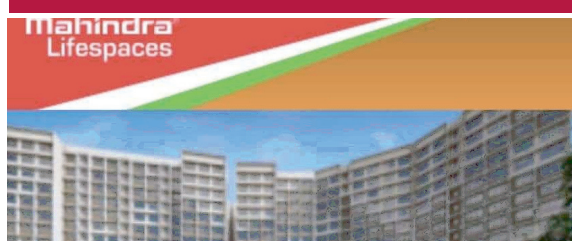

नई दिल्ली।

देश की प्रतिष्ठित आवास निर्माण के क्षेत्र की रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स चालू वित्त वर्ष में 3,000 से 4,000 करोड़ रुपये की बिक्री संभावनाओं वाले जमीन के टुकड़े खरीदेगी। कंपनी ने कहा है कि वह यह जमीन या तो सीधे या भू-स्वामियों के साथ भागीदारी में हासिल करेगी। महिंद्रा समूह की इकाई मुंबई की महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लि। देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनियों में से है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) हाल में एक अरब डॉलर या करीब 8,000 करोड़ रुपये पर पहुंचा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरविंद सुब्रमण्यम ने कहा कि कंपनी विस्तार के लिए अपने कारोबार के तीन प्रमुख शहरों मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे और बेंगलुरु में नए जमीन के टुकड़े खरीदने पर विचार कर रही है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने पहले ही एक जमीन का टुकड़ा खरीदा है। इसका सकल विकास मूल्य (जीडीवी) 1,700 करोड़ रुपये है। सुब्रमण्यम ने कहा, 'पिछले साल हमने नए भूमि अधिग्रहण के लिए 2,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य तय किया था। ये सभी आंकड़े जीडीवी में है। यानी यह जमीन अधिग्रहण की लागत नहीं बल्कि नई जमीन से हासिल होने वाला बिक्री मूल्य है। पिछले वित्त वर्ष में हमने 3,800 करोड़ रुपये का जीडीवी हासिल किया। चालू वित्त वर्ष में हम 1,700 करोड़ रुपये का जीडीवी हासिल कर चुके हैं। चालू वित्त वर्ष में भी हम कम से कम पिछले साल का आंकड़ा हासिल करेंगे।'

अगले सप्ताह बंद हो जाएगा पुणे का रुपी को-ऑपरेटिव बैंक

- बैंक पर रिजर्व बैंक के नियमों के पालन नहीं करने का आरोप

नई दिल्ली ।

पुणे का रुपी सहकारी बैंक पर रिजर्व बैंक के नियमों के पालन नहीं करने का आरोप है। इस बैंक के ग्राहकों के पास सिर्फ 22 सितंबर तक का समय है। मतलब कि उस तारीख के बाद ग्राहक बैंक में जमा पैसे नहीं निकाल सकते। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया देश के कई बैंकों पर नियम न फॉलो करने के कारण समय-समय पर जुर्माना लगाता रहता है। यदि नियमों की अनदेखी बढ़ जाए तो कुछ बैंकों के लाइसेंस तक कैंसिल कर दिए जाते हैं। अब इस लिस्ट में पुणे के रुपी को-ऑपरेटिव बैंक का नाम जुड़ गया है।

आरबीआई ने बीते 10 अगस्त को जारी एक प्रेस रिलीज में इस बात की जानकारी दी थी। उसमें बताया गया था कि पुणे का रुपी सहकारी बैंक लिमिटेड का लाइसेंस उस तारीख से छह सप्ताह बाद कैंसिल हो जाएगा। मतलब कि यह समय सीमा 22 सितंबर 2022 तक है। उसके बाद बैंक के सभी ब्रांच बंद हो जाएंगे और ग्राहक अपने पैसे नहीं निकाल पाएंगे। इससे पहले भी कई बैंकों की खराब वित्तीय हालत को देखते हुए उनके लाइसेंस को कर दिया गया है। आरबीआई ने पुणे स्थित रुपी सहकारी बैंक लिमिटेड को बंद करने का निर्णय इसलिए लिया है, क्योंकि इस बैंक की वित्तीय हालात बहुत खराब हो चुकी है। बैंक के पास कोई पूंजी नहीं बची थी। साथ ही उसके कमाई के भी कोई साधन नहीं बचे थे। ऐसे में आरबीआई ने इस बैंक के लाइसेंस को ही कैंसिल कर दिया है।

जिन ग्राहकों का पैसा रुपी सहकारी बैंक लिमिटेड में जमा है, उन्हें 5 लाख रुपए के डिपॉजिट पर इंश्योरेंस का कवर मिलता है। यह इंश्योरेंस डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन (डीआईसीजीसी) इंश्योरेंस स्कीम से मिल रही है। गौरतलब है कि डीआईसीजीसी एक रिजर्व बैंक की सब्सिडियरी जो को-ऑपरेटिव बैंक के ग्राहकों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। ऐसे में किसी खाताधारक के 5 लाख रुपए के डिपॉजिट पर डीआईसीजीसी उसे पूरा इंश्योरेंस क्लेम देता है। हां, जिन ग्राहकों ने उस बैंक में 5 लाख रुपए से अधिक जमा किए हैं। उन्हें उनकी पूरी रकम नहीं मिलेगी। उन्हें सिर्फ पांच लाख रुपए तक की भरपाई की जाएगी।

टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन कंपनियों को बिक्री बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

महंगे उत्पादों की बढ़ती मांग और दामों में वृद्धि के चलते इस त्योहारी सीजन में टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन व अन्य उत्पादों की बिक्री 35 प्रतिशत बढ़ सकती है। कुछ कंपनियों को ऐसी उम्मीद है कि देश के दूरदराज के क्षेत्रों में उनके प्रवेश स्तर के व्यापक उत्पादों की बिक्री अच्छी रहेगी। हालांकि इसे लेकर वे सतर्क रूख भी अपना रही हैं। पैनासॉनिक, एलजी, सोनी, सैमसंग, हायर, गोदरेज अप्लाइंसेज, वोल्टास, थॉमसन और बीएसएच होम अप्लाइंसेज को लगता है कि इस साल त्योहारों के दौरान बिक्री पिछले वर्ष के मुकाबले बेहतर रहेगी और हो सकता है कि यह कोविड-पूर्व के बिक्री आंकड़े को भी पार कर जाए। ओणम से शुरू होने वाले त्योहार दीपावली तक चलते हैं और उद्योग में विभिन्न श्रेणियों में कुल वार्षिक बिक्री में एक-तिहाई बिक्री इसी दौरान होती है। कुल बिक्री 75,000 करोड़ रुपए के लगभग रहने का अनुमान है।

उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए विनिर्माता विस्तारित वॉरंटी, आसान ईएमआई और प्रचार गतिविधियों में निवेश जैसी योजनाओं पर काम कर रहे हैं। हालांकि प्रवेश स्तर के व्यापक उत्पादों की बिक्री को लेकर उन्हें चिंता है क्योंकि छोटे शहरों के उपभोक्ता अभी भी विवेकाधीन खरीद कर रहे हैं।

Sports

सीएसके से मिली थी जीत की प्रेरणा : शनाका

कोलंबो । श्रीलंका की टीम ने एशिया कप क्रिकेट मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर छठी बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया है। टीम के कप्तान दासुन शनाका ने कहा है कि टॉस हारने के बाद भी वह दबाव में नहीं आये क्योंकि उन्हें आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की जीत याद आ गयी। इससे उन्हें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा, अगर आप आईपीएल 2021 के फाइनल को देखें तो खिताबी मुकाबले में चेन्नई की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए चैंपियन बनने में सफल रही। इसलिए हमें पहले बल्लेबाजी करने के बाद भी खिताब जीतने का भरोसा बना हुआ था। इसी को ध्यान में रखते हुए टीम ने बल्लेबाजी की। टीम की ओर से भानुका राजपक्षे ने तेजी से 71 रनों की पारी खेली। गौरतलब है कि आईपीएल 2021 के फाइनल में सीएसके ने इसी मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाये थे। तब केकेआर की ओर से शुभमन गिल और वेंकटेश अय्यर ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 66 गेंद में 91 रनों की साझेदारी बनायी थी। इसके बाद सीएसके के गेंदबाजों ने केकेआर को 165 रन पर ही समेट कर खिताब अपने नाम किया था।

एशिया कप : राजपक्षे ने संकट का सामना कर रहे देशवासियों को समर्पित किया खिताब

दुबई ।(एजेंसी)

श्रीलंका की एशिया कप में खिताबी जीत के हीरो रहे भानुका राजपक्षे ने इस खिताब को संकट का सामना कर रहे अपने देश को समर्पित किया है। श्रीलंका ने रविवार रात खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान को 23 रन से हराकर 2014 के बाद एशिया कप का खिताब जीता जो उनका कुल मिलाकर छठा खिताब है। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 58 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे लेकिन राजपक्षे (45 गेंद में 71 रन) और वानिंदु हसरंगा (21 गेंद में 36 रन) की बदौलत टीम शानदार वापसी करते हुए छह विकेट पर 170 रन बनाने में सफल रही। राजपक्षे ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'कुछ दशक पहले हम हमेशा दुनिया को दिखाना चाहते थे कि हमारे पास आक्रामकता है और हम चाहते थे कि एक टीम के रूप में हम दोबारा उन लम्हों को पैदा करें। उन्होंने कहा, 'आगे बढ़ते हुए हम विश्व कप से पहले इस लय को बनाए रखना चाहते हैं। स्वदेश में संकट के हालात को देखते हुए यह श्रीलंका के सभी लोगों के लिए एक कठिन समय है लेकिन आशा है कि हम अपने लोगों के चेहरों पर कुछ मुस्कान ला पाए हैं।' राजपक्षे ने मुस्कुराते हुए कहा, 'यह पूरे देश के लिए है वे इतने लंबे समय से इसका इंतजार कर रहे थे।' देश में सबसे खराब आर्थिक संकट और राजनीतिक अशांति की पृष्ठभूमि में श्रीलंका ने एशिया कप खिताब जीता। राजपक्षे के साथ मौजूदा श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने टूर्नामेंट के पहले मैच में अफगानिस्तान से हारने के बावजूद पूरे टूर्नामेंट में इतना अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अपने साथियों की प्रशंसा की। शनाका ने कहा, 'उस पहली हार के बाद हमने गंभीर चर्चा की। हम जानते थे कि हमारे पास प्रतिभा है लेकिन यह खेल परिदृश्यों में उन्हें लागू करने के बारे में था और सभी खिलाड़ियों ने योगदान दिया। यह एक ऐसा माहौल है जिसे हमने एक टीम और कोचिंग स्टाफ के रूप में बनाया है और अब इसका फायदा मिल रहा है।' श्रीलंकाई कप्तान के पास खिताब जीतने के बाद स्वदेश में प्रशंसकों के लिए संदेश भी है। शनाका ने कहा, 'हमारे क्रिकेटरों पर विश्वास करें। बहुत सारी बुरी चीजें हो रही हैं। क्रिकेटर के रूप में उन्हें भी अपने जीवन का आनंद लेना चाहिए न कि बुरी चीजें फैलाना। उनका भी निजी जीवन है। विश्वास रखें, यही कुंजी है। एक कप्तान के रूप में मैं खिलाड़ियों को

विश्वास दिलाता हूं (जो भी) मैं कर सकता हूं, मैं उससे ज्यादा खिलाड़ियों से मांग नहीं करता।' शनाका ने कहा कि एशिया कप जीत लंबे समय से बदलाव के दौर से गुजर रहे श्रीलंका क्रिकेट के लिए आने वाली बड़ी चीजों की तरफ एक कदम हो सकता है। उन्होंने कहा, ''यहां तक कि दो-तीन साल पहले भी टीम अच्छी क्रिकेट खेलती थी लेकिन जीत नहीं मिल रही थी।

अमेरिकी ओपन 2022 : कार्लोस अल्कारेज ने रूड को हराकर पुरुष एकल खिताब जीता

न्यूयॉर्क । (एजेंसी)

कार्लोस अल्कारेज ने अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में कैस्पर रूड को चार सेट में हराकर 19 साल की उम्र में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सबसे कम उम्र में एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाली खिलाड़ी बन गए। तीसरे वरीय स्पेन के अल्कारेज ने नॉर्वे के 5वें वरीय रूड को 6-4, 2-6, 7-6 (1), 6-3 से हराया। तीसरे सेट में एक महत्वपूर्ण क्षण आया जब अल्कारेज 5-6 से पिछड़ते हुए सर्विस कर रहे थे और रूड को दो सेट प्वाइंट मिले। अल्कारेज ने न सिर्फ दोनों सेट प्वाइंट बचाए बल्कि टाईब्रेकर में सेट भी जीत लिया। अल्कारेज ने टाईब्रेकर में काफी बेहतर प्रदर्शन किया और 2-1 की बढ़त बनाई। उन्होंने चौथे सेट को आसानी से जीतकर मुकाबला और खिताब अपने नाम किया। बारिश और 26 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच आर्थर ऐश स्टेडियम की छत को बंद करके यह मुकाबला कराया गया। अल्कारेज 1973 में कम्प्यूटरीकृत एटीपी रैंकिंग शुरू होने के बाद से मात्र 19 साल और 4 महीने की उम्र में नंबर एक पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। वह 1990 में पीट सम्प्रास के 19 साल की उम्र में खिताब जीतने के बाद अमरीकी ओपन में सबसे कम उम्र के पुरुष चैंपियन भी हैं। रूड जून में रफेल नडाल के खिलाफ फाइनल में हार के साथ फ्रेंच ओपन में भी उपविजेता रहे थे।

ऋषभ अगर असफल भी होते हैं तो उन्हें बाहर न करें : गिलक्रिस्ट

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज रहे एडम गिलक्रिस्ट ने कहा है कि अगर ऋषभ पंत कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन न करें तो भी उन्हें भारतीय टीम में बनाये रखा जाना चाहिये। गिलक्रिस्ट ने यह बात चयनकर्ताओं से कही है। गिलक्रिस्ट ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपनी बल्लेबाजी से कभी भी मैच बदल देते हैं। इसलिए मैं भारतीय टीम के प्रबंधन और चयनकर्ताओं से अनुरोध किया है कि उनके खिलाफ नरम रुख बनाये रखें। गौरतलब है कि गिलक्रिस्ट ने अपने आक्रामक रवैये से एकदिवसीय क्रिकेट में क्रांति ला दी थी। वर्तमान समय में ऋषभ के अलावा पाक विकेटकीपर बल्लेबाज मो रिजवान और इंग्लैंड के जोस बटलर भी शानदार खेल रहे हैं पर जब किसी को म गिलक्रिस्ट की तरह का माना जाता है तो उसमें ऋषभ सबसे आगे रहते हैं। ऋषभ की तुलना अक्सर उनकी बल्लेबाजी शैली के कारण गिलक्रिस्ट से होती है। अपने अब तक के छोटे से करियर में, ऋषभ ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से अलग ही स्थान बनाया है। वह इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट शतक लगाने वाले एकमात्र भारतीय विकेटकीपर हैं। गिलक्रिस्ट की तरह उन्हें भी विश्व क्रिकेट में गेम-चेंजर माना जाता। इसी कारण गिलक्रिस्ट ने टीम इंडिया के प्रबंधन से कहा है कि उन्हें ऋषभ के साथ बने रहना चाहिए। उन्होंने कहा, वह सबसे रोमांचक क्रिकेटरों में से एक है, मुझे लगता है कि वह सिर्फ मंच पर रोशनी बिखेरने का काम करते हैं और जब वह खेल रहे होते हैं तो एक बिजली का माहौल बनाता है, यह अद्भुत है। गिलक्रिस्ट ने कहा, कि बीसीसीआई, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को बस उनके साथ धैर्य रखने की जरूरत होगी। कुछ पारियों में अगर वह स्कोर नहीं करते हैं तो उन्हें बनाये रखने चाहिये।

टी-20 क्रिकेट विश्व कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान

(एजेंसी)

ऑस्ट्रेलियाई पिचें स्विंग गेंदबाजी के अनुकूल रहती हैं। ऐसे में बीसीसीआई के सिलेक्टर्स ने सोमवार को आगामी टी-20 विश्व कप के लिए जो टीम चुनी उसमें तेज गेंदबाजों को ज्यादा मौके दिए गए हैं। बीसीसीआई ने चार प्लेयर स्टैंड बाय में रखे हैं।

टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (वीसी), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रविचंद्रन अश्विन, युजी चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह।

स्टैंडबाय खिलाड़ी -मोहम्मद शमी, श्रेयस अय्यर, रवि बिश्नोई, दीपक चाहर।

टीम में रवींद्र जडेजा को नहीं मिली जगह

टीम इंडिया के हरफनमौला खिलाड़ी रवींद्र जडेजा ने हाल ही में घुटने की सर्जरी करवाई जिससे भारत की टी20 विश्व कप टीम में उनकी जगह खतरे में पड़ गई थी। उनके लिए समय पर ठीक होने की संभावना बहुत कम थी ऐसे में उनकी जगह अक्षर पटेल को मौका दिया गया है।

हरभजन ने दिया था उमरान मलिक पर जोर

टी20 वर्ल्ड कप टीम के लिए भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज उमरान मलिक को चुनना चाह रहे हैं। उन्होंने ट्विट कर लिखा- भारत के लिए विश्व कप टीम में आज मिस्टर 150 उमरान मलिक को कौन देखना चाहता है ? वह ऑस्ट्रेलिया में उन उछाल वाली पिचों पर हमारा तुरुप का पत्ता हो सकता है.. कोई विचार?

आशीष नेहरा ने ऐसी चुनी थी भारतीय टीम

रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली,

ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, रविचंद्रन अश्विन, दिनेश कार्तिक, जसप्रीत बुमराह, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, दीपक हुड्डा।

आरपी सिंह की टीम में तीन प्लेयर थे रिजर्व में

रोहित शर्मा, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या, दिनेश कार्तिक, अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी, भुवनेश्वर कुमार, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, केएल राहुल, दीपक चाहर।

रिजर्व : दीपक हुड्डा, संजू सैमसन, रविचंद्रन अश्विन।

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा नें जीता सिंकीफील्ड कप शतरंज

सैंट लुईस (निकलेश जैन) 2022 के सबसे मजबूत सुपर ग्रांड मास्टर क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट का खिताब फ्रांस के 19 वर्षीय ग्रांड मास्टर अलीरेजा फिरौजा नें अपने नाम कर लिया है उन्होने रूस के यान नेपोमिन्सी को टाईब्रेक में पराजित करते हुए पहली बार यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया । अंतिम नौवे राउंड में सभी मुकाबले बराबरी पर खत्म हुए अलीरेजा नें हमवतन मकसीम लागरेव से तो नेपोमिन्सी नें यूएसए के नीमन हंस मोके से बाजी ड्रॉ खेली और कुल 5 अंको के साथ सयुंक्त पहले स्थान पर रहे ऐसे में विजेता का निर्धारण करने के लिए दोनों के बीच दो ब्लिट्ज़ टाईब्रेक के मुकाबले खेले गए जिसमें 1.5-0.5 के अंतर से अलीरेजा नें जीत दर्ज की । इस जीत के साथ अलीरेजा नें ग्रांड चैस टूर वर्ष 2022 का ओवरऑल खिताब भी अपने नाम कर लिया । नेपोमिन्सी सिंकिफील्ड कप में उपविजेता रहे तो 4.5 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर यूएसए के वेसली सो तीसरे तो फबियानों कारुआना चौथे स्थान पर रहे । 4 अंक बनाकर यूएसए के दोमिंगेज पेरेज पांचवे , 3.5 अंको पर यूएसए के नीमन हंस छठे और लेवोन अरोनियन सातवे ,तो 3 अंक बनाकर अजरबैजान के ममेद्यारोव आठवे तो मकसीम लागरेव अंतिम नौवे स्थान पर रहे ।

अख्तर ने टीम चयन पर सवाल उठाये , रिजवान , आजम पर भी निशाना साधा

दुबई । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को आड़े हाथों लिया है। पाक टीम एशिया कप में 171 रनों का लक्ष्य नहीं हासिल कर पायी थी। रिजवान ने पाक की ओर से सबसे ज्यादा 55 रन बनाए पर उनकी धीमी पारी से टीम के आगे आने वाले बल्लेबाजों पर अनावश्यक दबाव पड़ गया। अख्तर ने कहा कि श्रीलंकाई गेंदबाजी सामान्य थी और उसमें कोई विशेष बात नहीं थी पर हमारे बल्लेबाज उम्मीद के अनुसार नहीं खेले। अख्तर ने इसी के साथ ही टीम चयन पर भी सवाल उठाए। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि मैदान में काफी समय बिताने के बाद भी रिजवान टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा पाये। अख्तर ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'क्या हम बार-बार गलत टीम के साथ खेल रहे हैं? रिजवान पर सवालिया निशान खड़े होतें हैं क्योंकि वह खेल समाप्त नहीं कर सके, उन्हें दूसरों के साथ की जरूरत है। उन्होंने जितनी गेंदे खेलीं उसी के असपास रन बनाए और उसके बाद अगर वह मैच खत्म नहीं कर पाए, तो यह टीम के लिए एक परेशानी वाली बात है, इसलिए मुझे लगता है कि हमारी टीम ने बहुत खराब क्रिकेट खेला, उन्हें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। पता नहीं उनकी योजना क्या थी।' अख्तर ने पाक के कप्तान बाबर आजम की भी आलोचना की क्योंकि वह पूरे टूर्नामेंट में रनों के लिए तरसते नजर आये। साथ ही कहा कि टीम ने रन बनाने से ज्यादा गेंदें खराब कीं। वहीं बल्लेबाज फखर जमा को लेकर कहा कि उन्हें यही नहीं मामूम कि वह क्या कर रहे हैं।

करो या मरो के मुकाबले में बेहतर बल्लेबाजी के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला टीम

ब्रिस्टल ।(एजेंसी)

इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले में बेहतर बल्लेबाजी करने के इरादे से उतरेगी। चेस्टर ली स्ट्रीट में पहले मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने इंग्लैंड की गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए थे। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'पहले मैच के बाद हमने कुछ चीजों पर चर्चा की। बेशक हमने वैसा क्रिकेट नहीं खेला जो पिछले कुछ महीनों से खेल रहे थे।' उन्होंने कहा, 'हमने अतीत में जो हासिल किया है उसके स्तर की बराबरी करने की जरूरत है। यह थोड़ा निराशाजनक था लेकिन यह एक बुरा दिन था।' स्मृति ने चेस्टर ली स्ट्रीट पर पहले मैच में हार के बाद खेलने योग्य हालात नहीं होने की कप्तान हरमनप्रीत कौर की बात दोहराई लेकिन स्वीकार किया कि टीम को वास्तव में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की जरूरत है, विशेषकर बीच के ओवरों में। उन्होंने कहा, 'हां पहले मैच में हालात उतने अच्छे नहीं थे और आउटफील्ड पर भी पैच थे लेकिन हम इसे बहाने के रूप में इस्तेमाल नहीं करेंगे।' इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, 'हमें 12वें और 18वें ओवर के बीच अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की जरूरत है। ऐसा हमने पहले मैच में नहीं किया हैन स्मृति ने स्वीकार किया कि भारतीय बल्लेबाजों के

ढुलमुल रवैये के कारण उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा और अगर उन्हें स्तरीय टीम को हराना है तो उनका लक्ष्य स्कोर को 160 से 170 रन के आसपास रखना होना चाहिए। स्मृति ने कहा, 'आजकल टी20 क्रिकेट के स्तर को देखते हुए हमें सुरक्षित रहने के लिए 160 से 170 रन बनाने होंगे। लेकिन यह विकेट की प्रकृति पर भी निर्भर करता है।' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों के बाद मुझे लगता है कि यह हरमन (हरमनप्रीत कौर), जेमिमा (रोड्रिग्ज) या मेरी जिम्मेदारी है कि हम 20 ओवरों तक खेलें।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में रोहित की जगह कप्तानी करेंगे धवन !

मुम्बई । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की जगह शिखर धवन भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी करेंगे। माना जा रहा है कि बीसीसीआई ने यह कदम अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप में शामिल खिलाड़ियों को आराम देने के लिए उठाया है। इसमें वीवीएस लक्ष्मण मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की अनुपस्थिति में कोच के तौर पर टीम के साथ जुड़ेंगे। टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की टी20 और एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इसमें पहले तीन टी20 मैच खेले जाएंगे जिनकी शुरुआत 28 सितंबर से होगी। पहला टी20 28 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टी20 2 अक्टूबर, 2022 को गांधी जयंती पर गुवाहाटी में जबकि तीसरा 4 अक्टूबर को इंदौर में होगा। इसके बाद तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेली जाएगी इसकी शुरुआत 6 अक्टूबर को लखनऊ में होगी जिसमें शिखर धवन टीम की कप्तानी करेंगे। रांची और दिल्ली में 9 और 11 अक्टूबर को दूसरा और तीसरा एकदिवसीय खेला जाएगा। इससे पहले टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी जिसकी शुरुआत 20 सितंबर से हो रही है।

विलियमसन बल्लेबाजी पर ध्यान देने एक प्रारुप की कप्तानी छोड़ें : एडम्स

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर आंद्रे एडम्स ने कहा है कि कप्तान केन विलियमसन को अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने के लिए एक प्रारूप की कमान किसी और को सौंप देनी चाहिये। विलियमसन पिछले कुछ समय से फार्म में नहीं है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केर्न्स में अब तक खेले गए दो एकदिवसीय मैचों में एक बार भी पचास रन नहीं बना पाये। विलियमसन पिछले साल विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) खिताब के बाद से ही कोहनी की चोट के कारण खराब दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में एडम्स ने कहा कि विलियमसन को अपनी फॉर्म फिर से हासिल करने के प्रयास में एक प्रारूप में खेलना छोड़ने के बारे में सोचना चाहिए। एडम्स ने एक टेस्ट, 42 एकदिवसीय और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में परिवार और बच्चों के साथ सब कुछ बदल गया है। यह आपके रुख को थोड़ा बदल देता है। जब आप कम उम्र के छोटे होते हैं तो आप सब कुछ कर सकते हैं। तीन प्रारूप तब कोई समस्या नहीं होते पर समय के साथ इसमें बदलाव आता है। उन्होंने आगे कहा, जिस तरह से बल्लेबाज रॉस टेलर के कप्तानी छोड़ने के बाद उनकी बल्लेबाजी बेहतर हुई थी। उसी प्रकार विलियमसन की बल्लेबाजी में भी सुधार आयेगा।

प्रो लीग : श्रीजेश बोले- विश्व कप से पहले स्पेन के खिलाफ खुद को आंकने का मौका मिलेगा

बेंगलुरू । (एजेंसी)

अनुभवी भारतीय हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को लगता है कि स्पेन के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के शुरूआती दो मैच अगले साल की शुरुआत में भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले विश्व कप से पहले 'मॉक टेस्ट' होंगे जिसमें टीम को खुद को आंकने का मौका मिलेगा। भारत अगले साल 13 से 29 जनवरी तक पुरुष विश्व कप की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से पहले भारत भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में आगामी एफआईएच प्रो लीग 2022-23 के अपने पहले मुकाबले में 30 अक्टूबर और छह नवंबर को दुनिया की आठवें नंबर की टीम स्पेन की मेजबानी करेगा। श्रीजेश ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, 'एफआईएच हॉकी प्रो लीग हमारे लिए सबसे अच्छा मंच है क्योंकि हमें कुछ शीर्ष टीम के खिलाफ खेलने का मौका मिलता है। स्वदेश में होने वाले आगामी मुकाबले हमारे लिए मॉक टेस्ट की तरह होंगे, यह हमें वास्तविक चुनौतियों में मदद करेगा जिनका हम जनवरी 2023 में सामना करेंगे।' उन्होंने कहा, 'यह हमें युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय हॉकी खेलने का अनुभव प्रदान करने में भी मदद करेगा। यह हमारे लिए एक शानदार अवसर है क्योंकि यह हमें विश्व कप के लिए लय बनाने में मदद करेगा।' भारत को अगले साल होने वाले विश्व कप में मुश्किल पूल डी में रखा गया है और श्रीजेश को शुरुआती चरण में अपने विरोधियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिलने की उम्मीद है। दुनिया की पांचवें नंबर की टीम भारत को इंग्लैंड (विश्व रैंकिंग छह), स्पेन (विश्व रैंकिंग आठ) और वेल्स के साथ रखा गया है। भारत ने इस साल के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 4-4 से ड्रॉ खेला और वेल्स को 4-1 से हराया। श्रीजेश ने कहा, 'यह एक दिलचस्प पूल है। इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स तीनों वास्तव में अच्छी टीमें हैं। हाल ही में बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में इंग्लैंड और वेल्स से खेलने के बाद मुझे लगता है कि यह एक कठिन प्रतियोगिता होगी।' उन्होंने कहा, 'लेकिन हमें अभी इसके बारे में सोचने की ज़रूरत नहीं है। हम कदम दर कदम आगे बढ़ रहे हैं और राष्ट्रीय शिविर में अपने खेल पर काम कर रहे हैं। हम

बहुत उत्साहित हैं और खेलने के लिए उत्सुक हैं। स्वदेश में लगातार दूसरी बार विश्व कप खेलने को लेकर उत्साहित हैं।' इस 34 वर्षीय गोलकीपर को एफआईएच के साल के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है और उन्होंने इस सम्मान के लिए अपने साथियों को श्रेय दिया।

सहवाग , शोएब और चोपड़ा सहित कई खिलाड़ियों ने एशिया कप जीतने पर श्रीलंका को बधाई दी

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग सहित कई खिलाड़ियों ने टी20 एशिया कप जीतने पर श्रीलंकाई टीम को बधाई दी है। सहवाग ने ट्वीट किया, 'अच्छा खेला श्रीलंका, एशिया कप के योग्य चैंपियन।' वहीं पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने अपनी टीम की हार के बाद पाक टीम में चल रहे दोस्तीवाद पर प्रतिक्रिया दी। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा, 'हम दोस्ती, पसंद-नापसंद की संस्कृति से कब बाहर आएंगे।' वहीं, पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने लिखा, 'किसने सोचा होगा कि बाबर आजम से बेहतर औसत के साथ बाबर हयात इस टूर्नामेंट का अंत करेंगे ? आजम के लिए एक पूरी तरह से भूलने योग्य टूर्नामेंट।' इसके अलावा आईपीएल खेल चुके जसकरन सिंह ने कू करते हुए लिखा, 'हार कर जीतने वाले को बाजीगर कहा जाता है। अफगानिस्तान से अपना पहला मैच हारने के बाद श्रीलंकाई टीम चैंपियन की तरह खेली और विजेता बनी। श्रीलंका एशिया कप की अधिकारी है। विश्व कप से ठीक पहले एशिया कप विजेता होने से श्रीलंका का मनोबल काफी ऊपर जाएगा। अगर पहला मैच छोड़ दिया जाए तो यह टीम चैंपियन की तरह खेली है।' इसके अलावा पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर ने इंस्टाग्राम पर एक मजाकिया वीडियो शेयर करते हुए श्रीलंका की टीम को बधाई दी है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक एथलीट रेस में दौड़ने के लिए निकलती है, लेकिन उसका जूता निकल जाता है, फिर भी वो विजेता बन जाती है। ऐसा ही कुछ श्रीलंका के साथ हुआ। टीम पहला मैच हारी, लेकिन इसके बाद लगातार पांच मैच टीम ने जीते और एशियाई चैंपियन बनी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

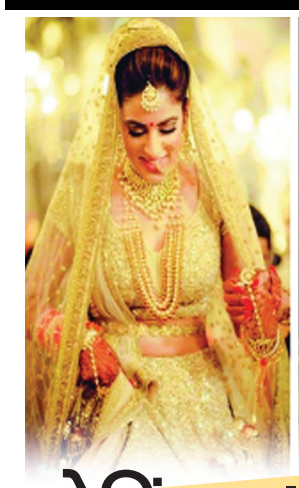

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, एंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेंडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

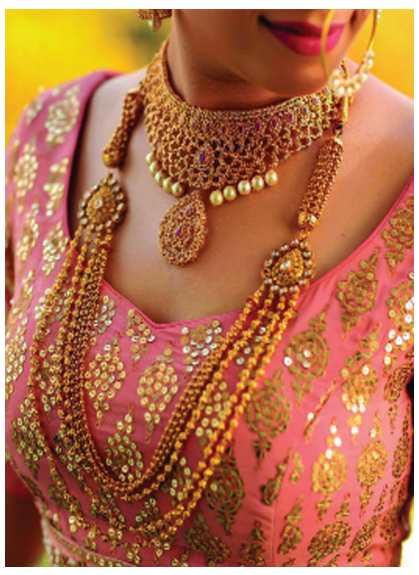

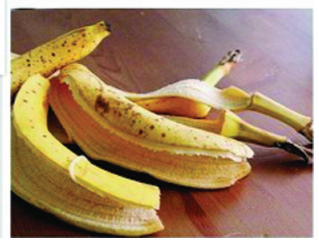

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही ड्रस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑर्ड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को-ऑर्ड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फ्लांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं।

इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

सतत आधारभूत ढांचा निवेश मंच की 14 सितंबर को मेजबानी करेगा नेपाल

नेपाल की एक शीर्ष सरकारी एजेंसी 'सीओपी26' शिखर सम्मेलन के दौरान सरकार की ओर से 'शून्य कार्बन' उत्सर्जन के संबंध मेंजताायी गई प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए इस सप्ताह एक निवेश मंच की मेजबानी करेगी। यह जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी। नवंबर 2021 में ग्लासगो में आयोजित 'सीओपी26' शिखर सम्मेलन के दौरान, नेपाल ने 2022 से 2045 तक 'शून्य कार्बन' उत्सर्जन और उसके बाद कार्बन निगेटिव बनने की अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा की थी। नेपाल ने बाद में 2030 तक वन क्षेत्र को 45 प्रतिशत तक बढ़ाने की बात की थी। नेपाल में सार्वजनिक-निजी भागीदारी और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सुविधा के लिए 2011 में स्थापित एक शीर्ष सरकारी एजेंसी, नेपाल निवेश बोर्ड (आईबीएन),14 सितंबर को यहां ''सतत आधारभूत ढांचा निवेश मंच'' की मेजबानी करेगा। आईबीएन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ''संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) के दौरान नेपाल सरकार द्वारा की गई प्रतिबद्धता के अनुसार शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने की दृष्टि से संसाधन जुटाने के वास्ते यह मंच एक मील का पत्थर होगा।'' इसमें 400 प्रतिभागी शामिल होंगे जिनमें भारत, बांग्लादेश, ब्रिटेन और अमेरिकाजैसे देश शामिल हैं।

भारत और जीसीसी ने परामर्श तंत्र को लेकर एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के महासचिव नायफ फलाह मुबारक अल-हजरफ के साथ 卐सार्थक卐 बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और छह देशों के क्षेत्रीय संगठन जीसीसी के बीच परामर्श तंत्र को लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। जयशंकर भारत और सऊदी अरब के बीच संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शनिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे हैं। विदेश मंत्री के रूप में यह सऊदी अरब की उनकी पहली यात्रा है। जयशंकर ने शनिवार को यात्रा के पहले दिन जीसीसी के महासचिव से मुलाकात की और मौजूदा क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने ट्वीट किया, 卐जीसीसी के महासचिव डॉ. नायफ फलाह मुबारक अल-हजरफ के साथ बैठक सार्थक रही। भारत और जीसीसी के बीच परामर्श तंत्र को लेकर सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। वर्तमान क्षेत्रीय व वैश्विक स्थिति और उस संदर्भ में भारत-जीसीसी सहयोग की प्रासंगिकता पर चर्चा की।卐 जीसीसी एक क्षेत्रीय, अंतर सरकारी, राजनीतिक व आर्थिक संघ है जिसमें बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। भारत के जीसीसी के साथ पारंपरिक रूप से सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं।

बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री लेकर पाकिस्तान पहुंचे अमेरिकी विमान

कराची । बाढ़ प्रभावित पाकिस्तानियों के लिए कई टन राहत सामग्री लेकर दो और अमेरिकी सैन्य विमान दक्षिणी सिंध प्रांत में उतरे। पाकिस्तान का यह प्रांत बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के प्रवक्ता सैफ उल्लाह ने कहा कि प्रत्येक विमान में लगभग 35 टन राहत सहायता थी, जिसे विश्व खाद्य कार्यक्रम द्वारा प्रांत में वितरित होगा। सैफ उल्लाह ने कहा कि विमान सिंध के सुक्कुर हवाई अड्डे पर उतरा और अमेरिकी अभियान 16 सितंबर तक जारी रहेगा। पाकिस्तान को इस साल जून के मध्य में शुरू हुई अत्यधिक भारी मॉनसूनी बारिश का सामना करना पड़ा है। कई अधिकारियों और विशेषज्ञों ने बारिश और इसके चलते आई बाढ़ के लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने पिछले हफ्ते अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान को भारी मात्रा में सहायता भेजने का आह्वान किया था। उल्लाह ने रविवार को कहा कि संयुक्त अरब अमीरात से राहत सामग्री लाने वाली दो और उड़ानें कराची हवाई अड्डे पर उतरीं।

श्रीलंका: 37 राज्य मंत्रियों की नियुक्ति को लेकर विक्रमसिंघे विपक्ष के निशाने पर

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ऐसे समय 37 राज्य मंत्रियों को अपनी सरकार में शामिल करने और जल्द ही कम से कम 12 और कैबिनेट मंत्रियों को नियुक्त करने के कदम को लेकर विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं जब द्वीपीय देश दिवालियेपन का सामना कर रहा है। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने बृहस्पतिवार को 37 कनिष्ठ मंत्रियों को नियुक्त किया था, जो मुख्य रूप से सत्तारूढ़ श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) और श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएलएफपी) से हैं। 37 नये मंत्री पद राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के 20 सदस्यीय मंत्रिमंडल के अतिरिक्त हैं, जिसने जुलाई के अंत में पदभार संभाला था। कम से कम 12 और कैबिनेट मंत्रियों को जल्द ही नियुक्त करने की चर्चा चल रही है। विपक्ष ने राष्ट्रपति के इस कदम की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि सरकार ऐसे समय में विस्तार को बर्दाश्त नहीं कर सकती जब देश अपने सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है और हाल ही में कर वृद्धि ने लोगों पर बोझ डाला है। मुख्य विपक्षी दल समागी जन बालवेगया (एसजेबी) के नेता साजिथ प्रेमदासा ने कहा, ''राष्ट्रपति और सरकार को उन लोगों की पीड़ा की कोई परवाह नहीं है जिन्हें गुजर बसर करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।'' जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा कि सरकार राज्य के मंत्रियों को सांसदों (सांसदों) के वेतन की पेशकश करके ज्यादा बचत नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, ''उन्हें भारी ईंधन भत्ते की अनुमति दी जा रही है जबकि टुक टुक (तिपहिया वाहन) ऑपरेटरों को केवल सीमित ईंधन की अनुमति दी गई है।'' शहरी विकास एवं आवास मंत्री और मुख्य सरकारी सचेतक प्रसन्ना रणतुंगा ने कहा था कि नये राज्य मंत्री देश पर बोझ नहीं बनेंगे क्योंकि वे बिना किसी मंत्री के विशेषाधिकार के काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि सभी राज्य मंत्री सांसदों के वेतन पर काम करेंगे, इसलिए वे सरकार पर कोई बड़ा बोझ नहीं होंगे। देश 1948 में अपनी स्वतंत्रता के बाद से अपने सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है। यह संकट विदेशी मुद्रा भंडार की गंभीर कमी के कारण उत्पन्न हुआ है।

अमेरिका- 9/11 हमले के पीड़ितों का स्मरण कर भावुक हुई उपराष्ट्रपति कमला हैरिस

-बोली, मेरा दिल उनके साथ जिन्होंने अपनों को खोया

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस उस समय भावुक हो गई जब वे रविवार 11 सितंबर के आतंकवादी हमलों के पीड़ितों को समरण कर रही थी, जिसमें हजारों अमेरिकी मारे गए थे। ट्वीट कर उन्होंने कहा, 'हम 9/11 में खोए हुए 2,977 लोगों को कभी नहीं भूलेंगे। आज ग्राउंड ज़ीरो पर खड़े होकर, मुझे याद आ रहा है कि इस हमले का हमारे देश और अपनों को खोने वालों पर क्या प्रभाव पड़ा। डौग और मैं आज और हर दिन आपके साथ खड़े हैं।' न्यूयॉर्क शहर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकवादियों द्वारा हमला किए जाने के इक्कीस साल बाद भी यह भयावह घटना लोगों की यादों में समाई हुई है। 9/11 के आतंकी हमलों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए कमला हैरिस ने मैनहट्टन के ग्राउंड जीरो में एक कार्यक्रम में भाग लिया। उनके साथ उनके पति डग एम्हॉफ, मेयर एरिक एडम्स और पूर्व मेयर माइकल ब्लूमबर्ग भी थे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह इक्कीस साल पहले ग्राउंड जीरो, शैंक्सविले और पेंटागन में खोए हुए लोगों के साथ खड़ी थीं। उन्होंने कहा, 'स्मरण के इस पवित्र दिन पर, हम उन लोगों का सम्मान करते हैं जिन्होंने अपनी जान गंवाई, साथ ही हमारा सम्मान पहले उन लोगों का जिन्होंने गंभीर आतंकवाद का सामना करने के लिए अपना सबकुछ जोखिम में डाल दिया। आज, हम उनके साहस और ताकत का सम्मान करते हैं।' कमला हैरिस ने कहा, 'मेरा दिल उन लोगों के साथ है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।' बता दें कि 21 साल पहले आज ही के दिन एक भीषण आतंकी हमले में कुल 2,977 लोगों की जान चली गई थी। 11 सितंबर 2001 को, संयुक्त राज्य अमेरिका को अपने इतिहास में सबसे घातक आतंकवादी हमले का सामना करना पड़ा। आतंकी हमलों में 3,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे। अल कायदा के आतंकियों द्वारा अपहृत किए गए विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद केवल 102 मिनट के अंतराल में, न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के जुड़वां टावर ढह गए। अमेरिका में रविवार को 11 सितंबर 2001 को हुए आतंकवादी हमले की 21वीं बरसी मनाई गई। राष्ट्रपति जो बाइडन ने पेंटागन में पुष्पांजलि अर्पित कर हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी।

एडिनबर्ग में महारानी एलिजाबेथ का ताबूत उठाये जाने पर मौन की मुद्रा में नजर आये वाइस एडमिरल टिमोथी लारेंस व राजकुमारी एनी।

महारानी एलिजाबेथ की अंतिम यात्रा में शरीक होंगे विश्व के कई शीर्ष नेता

लंदन । राजशाही वाले ब्रिटेन में महारानी क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के 8 सितंबर को निधन होने के बाद शोक छाया है। 96 साल की एलिजाबेथ ने स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल में अंतिम सांस ली। निधन के बाद ब्रिटेन के शाही प्रोटोकॉल के मुताबिक उनके अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही हैं। इस दौरान सप्ताह भर चलने वाले भव्य जुलूस, एक राजकीय अंतिम संस्कार और अन्य कार्यक्रमों के बीच सार्वजनिक श्रद्धांजलि शामिल होगी, जो यूनाइटेड किंगडम में आयोजित की जाएगी। बता दें कि महारानी का ताबूत रविवार को दोपहर 2:30 बजे (आईएसटी) स्कॉटिश एस्टेट बाल्मोरल कैसल से रवाना हुआ, जो आखिर में लंदन पहुंचाया जाएगा। महल से, उनके ताबूत को एबरडीन और डंडी के गांवों और शहरों के माध्यम से, स्कॉटलैंड में स्थित ब्रिटिश सम्राट के आधिकारिक निवास एडिनबर्ग में होलीरूडहाउस के महल में ले जाया गया है। पार्थिव शरीर को सोमवार तक होलीरूडहाउस सिंहासन कक्ष में रखा जाएगा। वहां से किंग चार्ल्स तृतीय और शाही परिवार के अन्य सदस्य जुलूस का हिस्सा होंगे और सेंट जाइल्स कैथेड्रल पहुंचेंगे, जहां उनके सम्मान में एक सेवा आयोजित की जाएगी। चर्च में जनता के दर्शन के लिए 24 घंटे तक उनके पार्थिव शरीर को रखा जाएगा। मंगलवार दोपहर को, रॉयल एयर फोर्स रानी को लंदन के पास एक एयर एरिया में ले जाएगी, जहां से उन्हें बकिंघम पैलेस के शाही निवास तक ले जाया जाएगा।

फिर से शाही परिवार में शामिल होंगे प्रिंस हैरी?

- लंबे अरसे बाद दिखे भाई राजकुमार विलियम के साथ

लंदन (एजेंसी)।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मौत के बाद यह सवाल एक बार फिर से उठ रहा है ?कि क्या प्रिंस हैरी एक बार फिर से शाही परिवार में शामिल होंगे। महारानी की मौत के बाद श्रद्धांजलि सभा के दौरान राजकुमार हैरी को अपने बड़े भाई के साथ देखा गया था। इस दौरान हैरी अपनी पत्नी मेगन के साथ राजकुमार विलियम और उनकी पत्नी केट के साथ नजर आए थे। दोनों दंपति विंडसर कैसल के बाहर, महारानी को श्रद्धांजलि देने आए लोगों की भीड़ का अभिवादन करते नजर आए। विलियम और हैरी को मार्च 2020 के बाद पहली बार

सार्वजनिक तौर पर एक साथ देखा गया। सिंहासन के उत्तराधिकारियों की पंक्ति में दूसरे स्थान पर रहे विलियम, अपने पिता महाराजा चार्ल्स तृतीय के राजा बनने के बाद, पहले उत्तराधिकारी बन गए हैं। महारानी एलिजाबेथ के निधन के बाद चार्ल्स स्वाभाविक तौर पर राजा बन गए हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि नए शासक के आने के साथ ही राजपरिवार में विलियम और केट की केंद्रीय भूमिका बढ़ जाएगी। हैरी द्वारा दो साल पहले शाही दायित्वों का परित्याग करने और अमेरिका जाने के बाद विलियम और हैरी के बीच रिश्ते अच्छे नहीं रहे। बताया जा रहा है ?कि हाल ही में उनकी एकता के प्रदर्शन की पहल विलियम ने की थी। कुछ जानकारों का यह भी मानना है कि 37 वर्षीय हैरी पुनः राजपरिवार में शामिल हो सकते हैं और अपने बड़े भाई की मदद करने के लिए उनकी जिम्मेदारियों का बोझ साझा कर सकते हैं। मैजेस्टी पत्रिका के प्रबंध निदेशक जो लिट्ल ने कहा कि निश्चित तौर पर विलियम और कैथरीन, नए प्रिंस और प्रिंसेस ऑफ वेल्स के तौर पर, मीडिया की नजरों में होंगे।

सच्चे दोस्त चीन ने फिर दिया पाकिस्तान को झटका, अबकी बार बिजली के लिए तरसाया

नीलम-झेलम हाइड्रोपावर प्रॉजेक्ट का काम बंद किया

बीजिंग (एजेंसी)।

बिजली और ईंधन की कमी से दो-चार हो रहे पाकिस्तान को करीबी दोस्त चीन ने बड़ा झटका दिया है। चीन के इंजीनियरों और कर्मचारियों ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित 969 मेगावाट के नीलम-झेलम हाइड्रोपावर प्रॉजेक्ट के मरम्मत के काम को इस साल जुलाई महीने से ही बंद कर दिया है। चीन ने यह कदम उस समय पर उठाया है, जब पाकिस्तान लगातार ऊर्जा और बिजली की कमी का सामना कर रहा है। चीन ने मरम्मत के काम को बंद करने की पीछे वजह जाहिर की हैं, कि स्थानीय लोग पनबिजली परियोजना के खिलाफ जोरदार विरोध कर रहे हैं। चीन ने कहा है कि पाकिस्तानी पुलिस उसके कर्मचारियों को सुरक्षा देने में नाकाम साबित हुई है। इस बीच चीन के अचानक से बिजली परियोजना से हटने से इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच हाइड्रो पावर प्रॉजेक्ट को लेकर तनाव पैदा हो गया है। यह बिजली परियोजना पीओके की कथित राजधानी मुजफ्फराबाद के पास स्थित है। ये चीनी इंजीनियर एक महत्वपूर्ण सुरंग को खोलने पर काम कर रहे थे। यह बिजली परियोजना 508 अरब रुपये की है और 3 साल तक काम करने के बाद अचानक से बंद हो गई है। इससे पाकिस्तान और चीनी अधिकारियों के बीच संयुक्त परियोजनाओं को लेकर गंभीर मतभेद पैदा हो गए हैं। इसमें नीलम-झेलम प्लांट के साथ-साथ खासतौर पर दासू, मोहम्मद पावर प्रॉजेक्ट भी शामिल हैं। करीब 3.5 किमी लंबी इस सुरंग से प्लांट से पानी को नदी में पहुंचाया जाता है। इस सुरंग में गंभीर गड़बड़ी आ गई है। इससे पूरे प्लांट को पूरी तरह से बंद करना पड़ा है। प्लांट के बंद होने से पाकिस्तान में बिजली का गंभीर संकट पैदा हो गया है। बताया जा रहा है कि सुरंग में दरार आ गई है।

जयशंकर ने सऊदी अरब के युवराज से मुलाकात कर पीएम मोदी लिखित संदेश सौंपा

जेद्दाह (एजेंसी)।

भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात कर उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दिया लिखित संदेश सौंपा। इस दौरान उन्होंने युवराज को द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति से भी अवगत कराया। जयशंकर दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे। विदेश मंत्री के रूप में यह सऊदी अरब की उनकी पहली यात्रा है।उन्होंने जेद्दा में सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की।

युवराज मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुल अजीज को पीएम मोदी की तरफ से एक लिखित संदेश मिला है। जेद्दा में युवराज के कार्यालय में हुई बैठक के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने मोहम्मद बिन सलमान को यह लिखित संदेश सौंपा।

बैठक के दौरान, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और उन्हें प्रगाढ़ बनाने के अवसरों की समीक्षा की गई और नवीनतम क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की गई। जयशंकर ने ट्वीट किया,आज शाम जेद्दा में युवराज मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी का संदेश दिया। उन्हें हमारे द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति से अवगत कराया। हमारे संबंधों के बारे में विचार साझा करने के लिए उनका धन्यवाद।

चीन ने आक्रमकता दिखाई, ताइवानी फौज को डराने में जुटे ड्रैगन के सैनिक

ताइपे (एजेंसी)।

चीन की ताइवान पर दावेदारी को लेकर चल रही तनातनी के बीच अमेरिकी कांग्रेस स्पीकर नैंसी पेलोसी की अगस्त में ताइवान दौरे का ऐलान के बाद से ही चीन की आक्रामकता का अनुमान लगाया जाने लगा। पेलोसी के ताइवान दौरे के बाद मिलिट्री ड्रिल के जरिए चीन ने अपनी आक्रामकता दुनिया को दिखाई। अब चीनी सेना ताइवान को अलग तरह से परख रही है। ताइवान की सीमा पर लगातार मंडराते ड्रोन के साथ ही चीनी मिलिट्री इस देश की जवाब देने की क्षमता का अंदाजा लगाने में लगी है। हाल ही में ताइवान की सेना ने एक चीनी ड्रोन को ढेर किया है और साथ ही उसने अपनी सुरक्षा को भी बढ़ा दिया है।

ताइवान के सैनिकों ने शुरुआत में तो चीनी ड्रोन्स को नजरअंदाज कर दिया था। इसके बाद ताइवान की सीमा की तरफ आने वाले चीनी ड्रोन्स की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ। ताइवान की तरफ से कई बार इन ड्रोन्स को दूर करने के लिए वॉर्निंग शॉट्स तक फायर किए गए। एक चीनी ड्रोन तो फायरिंग की वजह से समंदर में जा गिरा। पिछले एक महीने में ही करीब 30 ड्रोन्स उन दो द्वीपों की तरफ आए हैं जो ताइवान के हिस्से में हैं और चीन के दक्षिणी-उत्तरी तट की तरफ स्थित हैं। ज्यादातर ड्रोन्स या तो असैन्य थे या फिर इनकी पहचान नहीं हो सकी। लेकिन इतना तो तय था कि ये सभी ड्रोन्स उन मिलिट्री स्टेशंस को निशाना बनाने की कोशिशों में थे जहां पर ताइवानी सैनिक मौजूद हैं।इन ड्रोन्स की वजह से ताइवान और चीन के बीच तनाव और बढ़ गया है। चीन अक्सर यह दावा करता है कि ताइवान उसकी सीमा में आता है। अब इसने ताइवान स्ट्रैट में अपनी मौजूदगी को और बढ़ा दिया है। चीनी जेट्स ताइवान के करीब लगातार उड़ान भर रहे हैं। चीन ने युद्ध की आशंका के बीच ही ताइवान के सामने अलग तरह से चुनौती पेश करनी शुरू कर दी है। इसके बाद संघर्ष का खतरा भी बढ़ गया है। ताइवान स्थित नेशनल पॉलिसी फाउंडेशन में विशेषज्ञ चीह चुंगु की मानें तो चीन इस तरह का उत्पीड़न करके दबाव बढ़ाना चाहता है और वह जान-बूझकर ताइवान के करीब टेंशन बढ़ा रहा है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि चीनी सेना की तरफ से पिछले हफ्ते चार ड्रोन्स उसकी तरफ भेजे गए हैं। सवाल यह उठता है कि चीन के ड्रोन्स को आने वाले समय में ताइवान कैसे जवाब देगा और क्या वाकई उसमें इतनी ताकत है कि वह चीनी ड्रोन्स का मुकाबला कर सके। चीन ने अभी तक टीबी-001, कॉम्बेट ड्रोन को भेजा है। इस ड्रोन को स्कॉर्पियन के नाम से भी जानते हैं। इसके अलावा रेकी करने वाले दो ड्रोन्स भी चीन की तरफ से भेजे गए हैं। चीनी ड्रोन्स अपनी सेना के लिए प्रमुख तौर पर इंटेलीजेंस इकट्ठा करने का काम करते हैं। दूसरी तरफ से चीन के असैन्य ड्रोन उसके प्रपोगेंडा को फैलाने का नया हथियार बन गए हैं। चीन का मकसद इन ड्रोन्स की वजह से ताइवान की इमेज को कमजोर करना है।

रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाया, व्यापक पैमाने पर बिजली संकट

कीव। (एजेंसी)।

रूस ने यूक्रेन में ऊर्जा संयंत्रों और अन्य बुनियादी ढांचों पर हमले किए हैं जिससे युद्धग्रस्त देश में व्यापक पैमाने पर बिजली संकट पैदा हो गया है वहीं, कीव की सेनाओं ने जवाबी कार्रवाई करते हुए रूसी सेना को उत्तरपूर्वी क्षेत्र से खदेड़ दिया है, जहां उसने पहले कब्जा कर लिया था। खारकीव के पश्चिमी बाहरी इलाके में रविवार को बमबारी से एक ऊर्जा संयंत्र में भीषण आग लगी और कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गयी।

राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने असैन्य नागरिकों के खिलाफ 'जानबूझकर किए मिसाइल हमलों' की निंदा की तथा इन्हें आतंकवादी कृत्य के समान बताया। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में रविवार रात को बत्ती गुल रही। लोगों को अंधेरी सड़कों पर गाड़ियां चलानी पड़ीं और कुछ पैदल यात्रियों ने गंतव्य तक पहुंचने के लिए मोबाइल फोन का टॉर्च जलाया। रूस के कब्जे वाले दक्षिणी क्षेत्र में यूरोप के सबसे बड़े जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र को इलाके में लड़ाई तेज होने पर परमाणु विकिरण की आपदा से बचने की कवायद के तौर पर बंद कर दिया गया है।

कीव की खारकीव क्षेत्र में रूस के कब्जे वाले इलाकों को फिर से अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई के बाद मॉस्को सेनाओं को खुद को घेरे जाने के डर से वहां से जाना शुरू कर दिया है और वे अच्छी-खासी संख्या में हथियारों और गोला-बारुद छोड़कर जा रहे हैं। यूक्रेन के सैन्य प्रमुख जनरल वालेरी जालुझनी ने कहा कि उनकी सेनाओं ने सितंबर में शुरू किए अभियान के बाद से करीब 3,000 वर्ग किलोमीटर के हिस्से पर फिर से कब्जा जमा लिया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना रूसी सीमा से महज 50 किलोमीटर दूर है। खारकीव के गवर्नर ओलेह सिनेहुबोव ने कहा कि यूक्रेनी सेना ने क्षेत्र में 40 से अधिक बस्तियों पर फिर से कब्जा कर लिया है।

यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूस ने देश के दूसरे सबसे बड़े ऊर्जा संयंत्र खारकीव टीईसी-5 पर हमला किया। जेलेंस्की ने खारकीव ऊर्जा संयंत्र में आग लगने का वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने ट्वीट किया, ''रूसी आतंकवादी अब भी आतंकवादी हैं और उन्होंने अहम बुनियादी ढांचों पर हमला किया। कोई सैन्य केंद्र नहीं, केवल लोगों को अंधेरे में छोड़ने का लक्ष्य।''

इससे पहले यूक्रेन के परमाणु ऊर्जा ऑपरेटर ने कहा कि जापोरिज्जिया संयंत्र को यूक्रेन के बिजली ग्रिड से फिर से जोड़ा गया और इंजीनियरों ने इलाके में लड़ाई तेज होने पर परमाणु विकिरण की आपदा से बचने की कवायद के तौर पर इसके आखिरी रिएक्टर को भी बंद कर दिया। दुनिया में 10 सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा

केंद्रों में से एक इस संयंत्र पर युद्ध की शुरुआत से ही रूसी सेना ने कब्जा कर रखा है। यूक्रेन और रूस संयंत्र के आसपास बमबारी के लिए एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहे हैं। इस बमबारी ने संयंत्र को ग्रिड से जोड़ने वाली बिजली की लाइनों को तबाह कर दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में मुठभेड़ में एक आतंकवादी की मौत, सुरक्षाकर्मी घायल

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में सोमवार को शुरू हुई मुठभेड़ में एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया और एक सुरक्षाकर्मी घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने जिले के हेफ शिरमल इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलियां बरसाईं, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलाईं और मुठभेड़ शुरु हो गई। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया। इस दौरान सुरक्षा बल के एक जवान के घायल होने की खबर है। उन्होंने बताया कि आतंकियों की तलाश के लिए अभियान जारी है।

भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल हुआ एक और युद्धपोत, ब्रह्मोस-बराक मिसाइलों से किया जाएगा लैस

नई दिल्ली । भारत के गौरव और अभिमान को बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। अभी हाल ही में आईएनएस विक्रांत को भारतीय बेड़े में शामिल किया गया। अब इसके बाद एक और युद्धपोत ऐसा है जो भारतीय बेड़े में शामिल होकर नौसेना का गौरव बढ़ाने आ गया। आत्मनिर्भर भारत की मुहिम के तहत मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने 11 सितंबर को भारतीय नौसेना के नीलगिरी क्लास के तीसरे ब्रिग्रेड तारागिरी को मुंबई में लॉन्च किया। आईएस नीलगिरी का निर्माण कार्य 10 सितंबर 2020 को शुरू हुआ था। इंटीग्रेटेड कंस्ट्रक्शन इसको अलग-अलग जगहों पर निर्माण हुआ। फिर उस से लाकर एक साथ इंटीग्रेट यानी जोड़ दिया गया। यह युद्धपोत 2025 तक नेवी को मिल जाएगा। हालांकि से कई चुनौतियों से गुजरना है। इस युद्धपोत की लंबाई 149 मीटर और चौड़ाई 58.5 फीट है। तारागिरी की स्पीड 59 किलोमीटर प्रति घंटे की बताई जा रही है। युद्धपोत पर बराक और ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें तैनात होंगी। समुद्र में से ताकत देने के लिए 4 इंजन लगाए गए हैं। जिनमें गैस टरबाइन और दो डीजल इंजन है। आईएनएस तारागिरी पर ध्रुव हेलीकॉप्टर तैनात किए जा सकते हैं। रिपोर्ट में 35 ऑफिसर्स को मिलाकर 150 लोगों की तैनाती की जा सकती है। इसके अलावा यह विमान रडार और ऑप्टिकल सिस्टम से लैस होगा।

पराली को निपटाने के लिए किसानों को 56 हजार मशीनें वितरित की जाएंगी : धालीवाल

नई दिल्ली । पंजाब के कृषि मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने रविवार को कहा कि धान की पराली को निपटाने के लिए किसानों को 56 हजार मशीनें वितरित की जाएंगी और राज्य सरकार धान की कटाई के आगामी मौसम में किसानों को पराली जलाने से रोकने के वास्ते हर संभव कदम उठाएगी। धालीवाल ने लुधियाना में पत्रकारों से कहा कि कृषि विभाग इस सत्र में 56,000 मशीनों का वितरण करेगा, जिससे बांटी गई मशीनों की कुल संख्या 1,46,422 हो जाएगी। उन्होंने कहा कि 2018 से 2022 तक 90,422 मशीनें किसानों को दी जा चुकी हैं। धालीवाल ने बताया कि अब छोटे किसानों को भी 'सुपर सीडर', 'हैप्पी सीडर', 'जीरो ड्रिल' जैसी मशीनें मिलेंगी, क्योंकि ऐसे 500 उपकरण राज्य के 154 प्रखंडों में भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि 15 सितंबर के बाद उनके समेत चतुर्थ श्रेणी से लेकर कृषि विभाग के निदेशक स्तर के अधिकारी तक खेतों में रहेंगे और घर-घर जाकर किसानों को पराली नहीं जलाने के प्रति जागरूक करेंगे। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना राष्ट्रीय राजधानी में अक्टूबर और नवंबर में वायु प्रदूषण के स्तर में खतरनाक वृद्धि के कारणों में से एक है। धालीवाल ने पराली नहीं जलाने के लिए किसानों के वास्ते नकद प्रोत्साहन संबंधी प्रस्ताव को ठुकराने को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और इसे 'किसान विरोधी और पंजाब विरोधी' कदम बताया। गौरतलब है कि पंजाब सरकार ने धान उत्पादकों को प्रति एकड़ 2,500 रुपये देने का प्रस्ताव रखा था। उसने सुझाव दिया था कि केंद्र इसमें से 1,500 रुपये प्रति एकड़ का भुगतान करेगा, जबकि 1,000 रुपये प्रति एकड़ पंजाब और दिल्ली की सरकारें वहन करेंगी।

महाराष्ट्र- शिंदे-उद्धव गुट आपस में भिड़े, ढ़ाई दर्जन पर केस दर्ज, 5 लोग गिरफ्तार

मुंबई । महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे गुट के बीच जारी शीत युद्ध ने अब झड़प का दौर भी शुरू हो गया है। इसका सबूत रविवार को हुई झड़प है, जिसमें शिंदे गुट के एक विधायक समेत 30 लोगों पर मामले दर्ज हुए। वहीं, 5 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। हालांकि, दोपहर में ही हुए जमानत पर जाने दिया गया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। खबर है कि मुंबई के न्यू प्रभादेवी इलाके में 12.30 बजे शिंदे गुट के सदस्य संतोष तलवने पर कथित तौर पर 30 लोगों ने हमला कर दिया। दोनों गुटों के बीच दादर इलाके में झड़प होने की जानकारी सामने आई थी। इसके चलते पुलिस ने उद्धव गुट के समर्थकों के खिलाफ दंगा का मामला दर्ज किया है। शिंदे कैंप के विधायक सदा सर्वांकर समेत 30 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा सर्वांकर और उनके समर्थकों के खिलाफ दंगा करने और आर्म्स एक्ट को लेकर एक और एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस बात की जानकारी पुलिस अधिकारी ने दी है। शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने शिंदे कैंप के विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने विधायक पर झड़प के मौके पर फायरिंग के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि शनिवार को गणेश विसर्जन के बाद दोनों समूहों के कार्यकर्ताओं में बहस हो गई। सावंत ने सर्वांकर पर दूसरे गुट को गाली देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'जब हमारे कार्यकर्ता दादर पुलिस स्टेशन गए, तो उनकी शिकायत स्वीकार नहीं की गई।' इधर, शिंदे गुट ने आरोपों को 'बचकाना' बताया है। पुलिस उपायुक्त प्रणय अशोक ने कहा, 'पुलिस हाथापाई में शामिल लोगों की जानकारी जुटा रही है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।'

मुश्किल दौर से गुजर रहे शरद पवार खुलेआम बागी तेवर दिखा भतीजे अजित पवार ने दी टेंशन

नई दिल्ली । राजनीति के भीष्म पितामह कहे जाने वाले शरद पवार के दांव हमेशा चौंकाते रहे हैं, लेकिन बीते कुछ वक्त से वह खुद मुश्किल में घिरे दिखे हैं। कुछ महीने पहले उनके प्रयासों से बनी महा विकास अघाड़ी सरकार एकनाथ शिंदे की बगावत के चलते गिर गई थी। इसके अलावा उनकी अपनी पार्टी एनसीपी में भी ऑल इज वेल जैसी स्थिति नहीं दिख रही है। इससे सवाल उठ रहा है कि क्या शरद पवार अपने राजनीतिक करियर में सबसे बड़े संकट का सामना कर रहे हैं। इस कयास को रविवार को तब और बल मिल गया, जब दिल्ली में एनसीपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में अजित पवार ने बागी तेवर दिखा दिए। अजित पवार ने जयंत पाटिल का नाम वक्ता के तौर पर बुलाए जाने के ऐलान के साथ ही मंच छोड़ दिया। उन्हें जयंत पाटिल के बाद बोलना था, लेकिन वह वापस ही नहीं लौटे। इस तरह मंच पर शरद पवार की मौजूदगी में अजित पवार के इस रुख को बड़ी चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। इससे पार्टी में फूट होने के कयास भी लगाए जाने लगे हैं। रविवार को इसकी बानगी खुले तौर पर दिखी है। पार्टी सांसद प्रफुल्ल पटेल ने कहा था कि शरद पवार के समापन भाषण से पहले अजित पवार संबोधित करेंगे। लेकिन वह मंच से ऐसे उठे कि फिर लौटे ही नहीं और उनका इंतजार होता रहा है। मंच से ही कहा गया कि अजित पवार टॉयलेट में हैं। लेकिन वह देर तक नहीं आए और जब लौटे भी तो शरद पवार का समापन भाषण चल रहा था। यही नहीं अजित पवार जब मंच से उठकर गए थे तो उस वक्त उनके समर्थकों ने नारेबाजी भी की थी। उनके इस रुख को शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि नाराज अजित पवार को मनाने की जिम्मेदारी एक बार फिर से उनकी चचेरी बहन सुप्रिया सुले को ही दी गई है। अजित पवार का यह रुख इसलिए एनसीपी को टेंशन में डालने वाला है क्योंकि एक बार तो वह बगावत करके देवेंद्र फडणवीस के साथ शपथ तक ले चुके हैं।

नितिन गडकरी की ट्विटर पोस्ट पर बवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। कार में 6 एयरबैग्स की बात पर जोर दे रहे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की एक पोस्ट से बवाल हो गया है। उन्होंने सड़क सुरक्षा अभियान से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया था, जिसे दहेज प्रथा से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके अलावा वीडियो में नजर आ रहे बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी राजनेताओं और सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आ गए हैं। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने 6 एयरबैग के समर्थन में एक वीडियो शेयर किया था। उन्होंने लिखा, '6 एयरबैग वाले गाड़ी से सफर कर जिंदगी को सुरक्षित बनाएं।' इस वीडियो में कुमार भी नजर आ रहे हैं। अब यूजर्स का कहना है कि इस वीडियो के जरिए दहेज प्रथा का प्रचार किया जा रहा है। भारत में दहेज लेना या देना दंडनीय अपराध है।नजर आ रहा है कि पिता बेटी को विदा करते हुए रो रहे हैं। इसी बीच अक्षय कुमार आते हैं और उन्हें बेटी-दामाद की सुरक्षा को लेकर सतर्क करते हैं। वह कहते हैं, 'ऐसी गाड़ी में बेटी को विदा करोगे तो रोना तो आएगा ही...' इसके बाद पिता गाड़ी की खूबियां गिनाते हैं, लेकिन कुमार 6 एयरबैग के बारे में पूछते हैं। वीडियो के अंत में गाड़ी बदल दी जाती है।

तीनों सेवाओं का एकीकरण करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं: राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं का एकीकरण करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और साजो-सामान के लिए साझा मंजूरी व्यवस्था कायम करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि एक सेवा के संसाधनों को अन्य सेवा के लिए निर्बाध रूप से उपलब्ध कराया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने यहां सैन्य साजो सामान के बारे में एक सेमिनार को संबोधित करते हुए यह बात कही।

सेमिनार के उद्घाटन समारोह में थलसेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी. आर. चौधरी और नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार तथा नीति आयोग के सदस्य वी. के. सारस्वत समेत अन्य लोग शामिल हुए। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में, नागरिक और सैन्य हितधारकों के बीच आवश्यक तालमेल पर भी जोर दिया और कहा कि भारत अमृत काल की दहलीज पर खड़ा है ऐसे में दोनों पक्षों के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ÷प्रतिबद्धता÷ दर्शाती है।

सिंह ने कहा, ÷हम तीनों सेवाओं के एकीकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। साजो-सामान के लिए साझा मंजूरी व्यवस्था कायम करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि एक सेवा के संसाधनों को अन्य सेवाओं के लिए निर्बाध रूप से उपलब्ध कराया जा सके।÷ रक्षा मंत्री ने दिल्ली कैंट में मानेकशॉ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि तीनों सेवाओं के एकीकरण से सबसे अधिक फायदा साजो-सामान को लेकर होगा।

आजाद के बयान को महबूबा ने बताया निजी आर्टिकल 370 की बहाली संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस से अलग होकर दिग्गज नेता गुलाम नबी आजाद ने अगले 10 दिनों में नई पार्टी बनाने का ऐलान किया है। इस बीच उन्होंने जम्मू कश्मीर के बारामूला में एक जनसभा में यह भी कहा था कि कोई भी आर्टिकल 370 को वापस नहीं ला सकता। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में अब उनके इस बयान पर पीडीपी प्रमुख और जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि यह गुलाम नबी आजाद की अपनी राय है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने इस दौरान कहा, 'यह गुलाम नबी आजाद की अपनी राय है। कांग्रेस ने अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाई थी और उन्हें रोक दिया था। उसी तरह से जम्मू कश्मीर में भी कई ऐसी आवाजें हैं, जो मानते हैं कि आर्टिकल 370 फिर से बहाल हो सकता है और ये मामला सुलझ सकता है। बता दें कि गुलाम नबी आजाद ने कहा था कि कोई भी जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 को वापस नहीं ला सकता है। ऐसा सिर्फ संसद में दो तिहाई बहुमत से ही संभव है। उन्होंने इसके साथ लोगों को इस केस को लेकर गुमराह ना करने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि वह लोगों को गुमराह नहीं करने देंगे। आजाद ने पिछले महीने कांग्रेस छोड़ने के बाद कश्मीर घाटी में अपनी पहली रैली में कहा था, आजाद जानता है कि क्या किया जा सकता है और क्या नहीं। मैं या कांग्रेस पार्टी या तीन क्षेत्रीय दल आपको अनुच्छेद 370 वापस नहीं दे सकते, न ही टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी, या द्रमुक या राकांपा प्रमुख शरद पवार।

संबित पात्रा बोले- कांग्रेस की 'भारत जोड़ों यात्रा' नहीं बल्कि 'भारत तोड़ो' और 'आग लगाओ यात्रा' है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' निकल रही है। भाजपा, कांग्रेस की इस यात्रा को लेकर हमलावर है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने आज एक बार फिर से कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा पर निशाना साधा है। संबित पात्रा ने साफ तौर पर कहा कि भारत की राजनीति में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की छवि को राहुल गांधी धूमिल कर रहे हैं। कांग्रेस नफरत फैलाने की कोशिश कर रही है। संबित पात्रा ने कांग्रेस के पोस्ट पर भी सवाल उठाए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस की यह भारत जोड़ो यात्रा नहीं, बल्कि आग लगाओ यात्रा है। आरएसएस के खिलाफ पूरी तरह से नफरत फैलाई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां भी भारत का विरोध होता है, वहां राहुल गांधी होते हैं। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा करने में सक्षम नहीं हैं।

भाजपा के संबित पात्रा ने कहा कि यह 'भारत जोड़ों यात्रा' नहीं बल्कि 'भारत तोड़ो' और 'आग लगाओ यात्रा' है। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस पार्टी ने ऐसा किया है। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि क्या आप इस देश में हिंसा चाहते हैं? कांग्रेस को तुरंत इस तस्वीर को हटाना चाहिए। दरअसल, आज कांग्रेस की ओर से एक पोस्टर साझा किया गया था। पोस्टर में आरएसएस की गणवेश की तस्वीर साझा की गई थी और लिखा गया था देश को नफरत की बेड़ियों से मुक्त करना और भाजपा-आरएसएस द्वारा किए गए नुकसान की भरपाई करना। कदम दर कदम हम अपने लक्ष्य तक पहुंचेंगे। इसके बाद से कांग्रेस पर भाजपा से जबरदस्त तरीके से हमलावर हो गई हैं।

भाजपा के युवा नेता और सांसद तेजस्वी सूर्या ने कांग्रेस के इस ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा कि कांग्रेस की आग ने 1984 में दिल्ली को जला दिया। इस इकोसिस्टम ने 2002 में गोधरा में 59 कारसेवकों को जिंदा जला दिया। उन्होंने फिर से अपने पारिस्थितिकी तंत्र को हिंसा का आह्वान दिया है। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि ये भारत जोड़ो यात्रा

मन की बात नहीं होगी, ये जनता की चिंता होगी। मैंने ये कभी नहीं सोचा था कि ये 'जनता की चिंता' के साथ 'बीजेपी के लिए चिंता' हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह बीजेपी नेताओं के बयान आ रहे हैं, झूठे व बेबुनियाद बयान आ रहे हैं; इनसे बिलकुल साफ हो गया है कि भाजपा परेशानी में, पीड़ित है। उससे पता चल रहा है कि भारत जोड़ो यात्रा को जनता का रिस्पांस मिल रहा है।

स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के उत्तराधिकारियों का ऐलान

नई दिल्ली। द्वारका शारदा और ज्योतिर्मठ बद्रीनाथ पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती का रविवार को 99 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया था। उनके अंतिम दर्शन के लिए मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर आश्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ समेत कई राजनेता उनके अंतिम दर्शन करने पहुंचे थे। स्वामी स्वरूपानंद के उत्तराधिकारियों का भी ऐलान कर दिया गया है। उनके दो उत्तराधिकारी होंगे जो अलग-अलग पीठ के शंकराचार्य होंगे। अविमुक्तेश्वरानंद जी को ज्योतिषपीठ बद्रीनाथ और स्वामी सदानंद जी को द्वारका शारदा पीठ का प्रमुख बनाया गया है। जानकारी के मुताबिक स्वामी स्वरूपानंद के पार्थिव शरीर के सामने ही उनके निजी सचिव रहे सुबोधानंद महाराज ने इन नामों की घोषणा की। बता दें कि स्वामी स्वरूपानंद को नरसिंहपुर के परमहंसी गंगा आश्रम में भू-समाधि दी जाएगी।डॉक्टरों के मुताबिक स्वामी स्वरूपानंद का निधन माइनर हार्ट अटैक की वजह से हुआ है। वह पिछले कई महीनों से बीमार चल रहे थे। जिन दोनों संतों को स्वामी स्वरूपानंद का उत्तराधिकारी बनाया गया है वे दोनों ही दंडी स्वामी की पदवी प्राप्त कर चुके हैं। बता दें कि स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती भी शंकराचार्य बनने से पहले दंडी स्वामी बने थे। उन्होंने शंकराचार्य स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती से दंड सन्यास की दीक्षा ली थी। इसके बाद 1981 में उन्हें शंकराचार्य की उपाधि मिली।

वर्ष-2024 की मकर संक्रांति के दिन अयोध्या में विराजमान होंगे रामलला

-श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की बैठक में बड़ा फैसला

अयोध्या (एजेंसी)।

भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। निर्माण कार्य की देख रेख कर रही श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई है। इस बैठक में कई बड़े निर्णय लिए गए हैं। इसी बैठक में एक बड़ा फैसला लिया गया है। इस फैसले से राम भक्त बेहद खुश हो जाएंगे। जानकारी के मुताबिक 2024 की मकर संक्रांति के दिन रामलला विराजमान होंगे। इसके अलावा राम मंदिर परिसर में 7 और नए मंदिर बनाए जाएंगे। इन मंदिरों को बनाने के लिए सहमति बन गई है। मंदिर के बजट को बढ़ाकर 1800 करोड़ कर दिया गया है। इसके अलावा यह भी बताया गया है कि मंदिर निर्माण का कार्य 40 फ़ीसदी पूरा हो गया है। आगे भी तेज गति से काम किया जा रहा है।

बैठक के बाद राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट की बैठक हुई। हमने राम मंदिर के निर्माण खर्च पर चर्चा की और यह अनुमानित रूप से 1800 करोड़ रुपये था जिसे बाद में बदला जा सकता था। अन्य देवी-देवताओं के स्थान भी तय हुए है। यह बैठक फैजाबाद सर्किट हाउस में आयोजित किया गया था। बैठक के बाद हयाता गया कि इसमें सर्वसम्मति से यह फैसला किया कि राम जन्मभूमि परिसर में हिंदू धर्म से जुड़ी महान विभूतियों और साधु-संतों की प्रतिमाओं को भी स्थान दिया जाएगा। लंबे अरसे तक सोच विचार और राम मंदिर निर्माण से जुड़े सभी लोगों के तमाम सुझावों पर आज की बैठक में ट्रस्ट से जुड़े नियम कायदों और बाइलॉज को अंतिम रूप दिया गया है।

गिरिराज सिंह का राहुल गांधी पर जोरदार हमला, बोले- 7 जन्म लेंगे तब भी आरएसएस की बराबरी नहीं कर पाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के ट्विटर हैंडल से आज आरएसएस के गणवेश के साथ एक तस्वीर साझा की गई। इसको लेकर अब भाजपा कांग्रेस और राहुल गांधी पर जबरदस्त तरीके से हमलावर हो गई है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर जबरदस्त तरीके से पलटवार किया है। गिरिराज सिंह ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी सात जन्म ले लेंगे तो भी आरएसएस की बराबरी नहीं कर पाएंगे। न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी 7 जन्म लेंगे तब भी आरएसएस की बराबरी नहीं कर पाएंगे। आरएसएस का एक-एक स्वयंसेवक भारत माता की वैभव के लिए जीता है। आरएसएस भारत के संस्कार और संस्कृति का ध्वज वाहक है। वे जितना जलेंगे संघ उतना ही सांस्कृतिक फैलाव करेगा।

इसके साथ ही गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। गिरिराज सिंह ने कहा कि नीतीश बाबू कह रहे हैं कि मुझे नरेंद्र मोदी को हराना है। नीतीश कुमार एक अच्छे

मुख्यमंत्री तो बन नहीं पाए। जो व्यक्ति 17 साल किसी राज्य का मुख्यमंत्री रहे पर अपने बल पर सरकार ना बनाए पाए और वो प्रधानमंत्री मटेरियल बनने चले। कांग्रेस के ट्वीट पर आरएसएस के डॉ मनमोहन वैद्य ने कहा कि वे लोगों को नफरत से जोड़ना चाहते हैं। वे लंबे समय से हमारे लिए घृणा रखते हैं। उनके पिता और दादा ने आरएसएस को रोकने की कोशिश की लेकिन आरएसएस नहीं रुका और आगे बढ़ता रहा क्योंकि हमें लोगों का समर्थन मिलता रहा।

कांग्रेस ने पोस्टर में लिखा था कि देश को नफरत की बेड़ियों से मुक्त करना और भाजपा-आरएसएस द्वारा किए गए नुकसान की भरपाई करना। कदम दर कदम हम अपने लक्ष्य तक पहुंचेंगे। इसके बाद से कांग्रेस पर भाजपा से जबरदस्त तरीके से हमलावर हो गई हैं। भाजपा के संबित पात्रा ने कहा कि ये तस्वीर बीजेपी और आरएसएस को प्रतिनिधित्व करते हुए कांग्रेस ने ट्वीट किया और उसमें आग जलते हुए दिखाया है। कांग्रेस ने लोगों को उकसाने के लिए ये ट्वीट किया है। इनकी भारत जोड़ो यात्रा,आग लगाओ यात्रा है। ये पहली बार नहीं है जब कांग्रेस ने इस प्रकार की तस्वीर ट्वीट की हो। उन्होंने कहा कि ये तस्वीर ट्वीट कर राहुल गांधी क्या आप इस देश में हिंसा चाहते हैं? क्या आप चाहते हैं कि लोग एक दूसरे को जला दें? ये 'भारत जोड़ो आंदोलन' नहीं बल्कि 'भारत तोड़ो' और 'आग जलाओ आंदोलन' है। कांग्रेस को तुरंत इस तस्वीर को हटाना चाहिए।

भारत को अधिक कम मूल्य पर कच्चे तेल के आयात करने को तैयार रुस

जी-7 देश कच्चे तेल के मामले में रुसी घेराबंदी में जुटे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रूसी कच्चे तेल के आयात मूल्य को निर्धारित करने के लिए जी7 देशों के बीच काफी सुगबुगाहट दिख रही है, लेकिन रूस भी उसका जवाब देने में पीछे नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि मॉस्को ने नई दिल्ली से कहा है कि वह भारत को पहले के मुकाबले कम कीमत पर तेल देने को तैयार है। विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने कहा, 'सैद्धांतिक तौर पर कहा जा सकता है कि बदले में भारत को जी-7 के प्रस्ताव का समर्थन नहीं करना चाहिए। इस मुद्दे पर बाद में निर्णय होगा, क्योंकि फिलहाल सभी भागीदारों के साथ बातचीत चल रही है। अधिकारियों ने कहा कि यह छूट पिछले दो महीनों के दौरान इराक द्वारा दी गई छूट के मुकाबले अधिक होगी। मई में भारत के लिए रूसी क्रूड ऑयल का मूल्य इंडियन क्रूड आयात बास्केट के औसत मूल्य 110 डॉलर प्रति बैरल के मुकाबले 16 डॉलर प्रति बैरल कम था। जून में छूट को घटाकर 14 डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया और तब इंडियन क्रूड बास्केट का औसत मूल्य 116 डॉलर प्रति बैरल था। अधिकारियों ने कहा कि अगस्त तक रूसी क्रूड ऑयल की कीमत औसत क्रूड आयात बास्केट मूल्य के मुकाबले 6 डॉलर कम था।

फिलहाल भारत के सबसे बड़े तेल आपूर्तिकर्ता देश इराक ने जून के अंत में रूस के मुकाबले 9 डॉलर प्रति बैरल कम कीमत पर तेल की आपूर्ति कर रूस को पीछे कर दिया। इसके बाद मूल्य के प्रति कहीं अधिक संवेदनशील माने जाने वाले भारतीय बाजार का झुकाव इराक की ओर हो गया। परिणामस्वरूप भारत के शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता देशों की सूची में रूस खिसककर तीसरे पायदार पर चला गया। भारत की कुल तेल जरूरतों को पूरा करने में रूस का योगदान 18.2 फीसदी है। सूची में सउदी अरब 20.8 फीसदी योगदान के साथ पहले पायदान पर और इराक 20.6 फीसदी योगदान के साथ दूसरे पायदान पर रहा।

अधिकारियों का मानना है कि कीमतों में तेजी के बिना भी कच्चे तेल की आपूर्ति पश्चिम एशियाई देशों के इतर से बरकरार रहने की उम्मीद है। एक अन्य अधिकारी ने कहा, 'हालांकि हमारी तेल खरीद में इराक से आयात की प्रमुख भूमिका बरकरार रहेगी, लेकिन वैश्विक जटिलताओं और इराक की अस्थिर स्थिति को देखकर भारत को वैकल्पिक ढांचा तैयार करने की आवश्यकता है।

नवरात्र के मौके पर केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ सकती हैं मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कई दिनों से महंगाई भत्ता बढ़ने का इंतजार कर रहे लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को जल्द ही सौगात मिलेगी। अभी तक डीए बढ़ाने पर कोई आधिकारिक बयान नहीं देने वाली केंद्र सरकार दशहरे से पहले ऐलान कर सकती है।

रिपोर्ट्स का कहना है कि मोदी सरकार नवरात्र के मौके पर अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफा दे सकती है। केंद्र हर 6 माह पर डीए बढ़ाने का ऐलान करती है, जो महंगाई के सापेक्ष कर्मचारियों को पेंशनर्स को राहत देने के लिए बढ़ाया जाता है। माना जा रहा है कि आगामी 28 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में होने वाली कैबिनेट की बैठक पर इस पर मुहर लगाई जा सकती है।

सूत्रों का कहना है कि खुदरा महंगाई की ऊंची दर को देखकर सरकार इस बार महंगाई भत्ते में 4 फीसदी का इजाफा कर सकती है। इसके बाद डीए बढ़कर 38 फीसदी पहुंच जाएगा। इससे पहले मार्च, 2022 में सरकार ने डीए बढ़ाने का ऐलान किया था, तब 3 फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी। इसके बाद डीए 31 फीसदी से बढ़कर 34 फीसदी पहुंच गया था। इस बार महंगाई दर ज्यादा होने की वजह से डीए में भी ज्यादा बढ़ोतरी की जा सकती है। केंद्र ने अगर सितंबर में डीए बढ़ाने का ऐलान किया, तब संभव है कि अक्टूबर में आने वाली सैलरी में यह राशि बढ़कर मिलेगी, जबकि शेष महीने का एरियर भुगतान किया जाएगा। इसका लाभ 47 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों को मिलेगा। कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी उनकी पे स्केल के मुताबिक की जाती है। जिसका मूल वेतन जितना ज्यादा होता है, उसके महंगाई भत्ते में भी उतनी ही बढ़ोतरी होती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

नवाखल में शराब पार्टी पर पुलिस की रेड, 10 महिला समेत 25 रईशजादे धरे गए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आणंद,आंकलाव पुलिस ने नवाखल में चल रही शराब पर्टी में रेड कर 10 महिलाओं समेत 25 रईशजादों को गिरफ्तार कर लिया। नवाखल के ग्रीनटोन फार्म हाउस में किसी महिल के जन्मदिन पर यह पार्टी की जा रही थी। लेकिन पुलिस के पहुंचते ही सभी का नशा हवा हो गया। जानकारी के मुताबिक आणंद जिले की आंकलाव स्थित नवाखल के ग्रीनटोन नामक फार्म हाउस पर एक महिला के जन्म दिन के मौके पर पार्टी का आयोजन किया था। इस पार्टी में शराब के पैमाने छलक रहे थे। इसकी भनक लगते ही आंकलाव पुलिस ने फार्महाउस पर रेड की। पुलिस की रेड से पार्टी में अफरातफरी मच गई। पुलिस ने घटनास्थल से शराब की 10 बोतलें बरामद की हैं। जिसमें 3 भरी हुईं, 2 आधी भरे हुई और 5 खाली बोतलें बरामद हुई हैं। साथ ही घटनास्थल से पुलिस ने 10 महिलाओं समेत 25 लोगों को गिरफ्तार कर प्रोहिबिशन एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है।

'आप' कार्यालय पर छापे को लेकर अहमदाबाद पुलिस की स्पष्टता, हमने कोई रेड नहीं की

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव निकट आते ही राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप लगाकर एक-दूसरे को नीचा दिखाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बीते दिन आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यालय पर पुलिस की रेड की खबरों से राजनीति गरमा गई। सोशल मीडिया पर सामने आई इस खबर के बाद अहमदाबाद पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि उसने कोई रेड नहीं की। दरअसल आप के महासचिव ईशुदान गढवी ने एक ट्वीट किया। जिसमें गढ़वी ने लिखा 'केजरीवाल के अहमदाबाद पहुंचते ही आम आदमी पार्टी के अहमदाबाद ऑफीस पर गुजरात पुलिस ने रेड की। दो घंटे की तलाशी लेकर चले गए। कुछ नहीं मिला। बोले फिर आएंगे।' सोशल मीडिया पर इस मैसे के वायरल होने पर अहमदाबाद पुलिस ने स्पष्टता की। अहमदाबाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि 'बीते दिन आप की ऑफीस पर रेड की है ऐसी खबर सोशल मीडिया पर वायरल हुई। ऐसी किसी प्रकार की रेड शहर पुलिस ने नहीं की।' गौरतलब है इस साल दिसंबर में गुजरात विधानसभा के चुनाव होने हैं और राजनीतिक दलों के राष्ट्रीय नेताओं के गुजरात दौरे तेज हो गए हैं। खासकर आम आदमी पार्टी राज्य की जनता के बीच अपना दिल्ली मॉडल पेश कर अलग अलग वादे कर रही है। इस बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक गुजरात दौरे पर आए हैं। ऐसे में आप नेता ईशुदान गढ़वी ने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल के अहमदाबाद पहुंचते आप के कार्यालय पर अहमदाबाद पुलिस ने रेड की।

लेकिन अहमदाबाद पुलिस ने गढ़वी के दावे की पोल खोलते हुए कहा कि उसने आप के कार्यालय पर कोई रेड नहीं की।

सचिन स्लम बोर्ड में पानी के मुद्दा लेकर मचा बवाल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत महानगर पालिका के वार्ड नंबर 30 के स्लम बोर्ड में रहने वाले लोगों को पानी ना मिलने पर लोगों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। आवेदन देने पहुंचे लोगों का आवेदन स्वीकार करने के बदले कार्यपालक इंजीनियर कॉन्फ्रेंस रूम में भाग गए। 300 से अधिक महिला और पुरुष द्वारा उधना साउथ जोन के बी ऑफिस कनकपूर मे आवेदन करने पहुंचे थे।

बीटीपी प्रमुख छोटु वसावा ने आम आदमी पार्टी पर लगाए गंभीर आरोप,तोड़ा गठबंधन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गुजरात दौरे के वक्तही बड़ा झटका लगा है। चार महीने पहले जिस भारतीय ट्रायबल पार्टी (बीटीपी) से आप ने गठबंधन किया था आज वह टूट गया है। इतना ही नहीं बीटीपी प्रमुख छोटु वसावा ने आप पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह और भाजपा एक हैं जो आदिवासियों की संपत्ति लूट रहे हैं। गौरतलब है कि गुजरात के स्थापना दिवस 1 मई 2022 को बीटीपी और आप के बीच चुनावी गठबंधन हुआ था। इस गठबंधन को लेकर आप और बीटीपी काफी उत्साहित थे, लेकिन चुनाव से पहले ही यह गठबंधन टूट गया है। बीटीपी प्रमुख छोटू वसावा ने आप के साथ गठबंधन तोड़ने की घोषणा करते हुए कहा कि आप के टोपी वाले लोग दिखाई नहीं देते। आप के नेता बीटीपी की कोई बात नहीं सुनते और अपनी मनमानी करते हैं इसी वजह से गठबंधन तोड़ना पड़ा। साथ ही उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि आप और भाजपा एक ही हैं, जो मिलकर आदिवासियों की संपत्ति लूट रहे हैं। छोटू वसावा ने कहा कि हमने आप का

कामकाज देखकर उसके साथ गठबंधन किया था। जिसमें आप के लोग टोपी पहनकर आए थे। जबकि हमारी संस्कृति पगड़ी की है। वसावा ने कहा कि मुझे लगता है अमित शाह को गुजरात चुनाव में हार का डर है, इसी वजह से आरएसएस के कहने पर केजरीवाल की टोपी सेना उतार दी है। जिन टोपियों ने पूरे देश को बर्बाद कर दिया है, उनसे सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। अप्रत्यक्ष रूप से हमे लगता है और भाजपा व आप मिले हुए हैं, जिसका अहसास होने पर हमने गठबंधन तोड़ने का फैसला किया है। अगर अन्य किसी पार्टी हमसे गठबंधन करने की तैयारी दर्शाती है तो उस पर गौर किया जाएगा, वर्ना अकेले ही आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। दूसरी ओर आप-बीटीपी का गठबंधन पर टूटने पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया सामने आई है। गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अमित चावड़ा ने कहा कि बीटीपी के साथ चुनावी गठबंधन के बारे में आगामी समय में प्रदेश प्रमुख, प्रभारी और पार्टी हाईकमांड फैसला करेगी। दरअसल कुछ समय पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेडा झगडिया आकर बीटीपी प्रमुख के साथ मुलाकात कर चुके हैं। गुजरात कांग्रेस के नेताओं को जानकारी दिए बगैर ही यह ऑपरेशन पूरा किया गया था। अब फिर एक बार राज्य में 2017 के चुनाव का पुनरावर्तन होगा। वर्ष 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और बीटीपी ने मिलकर चुनाव लड़ा था। आगामी चुनाव में दोनों फिर एक साथ आ सकते हैं।

क्राइम ब्रांच ने हाईवे पर वाहन चालकों को लूटने वाले गिरोह के 4 शख्सों किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शहर के अलग अलग इलाकों में अंधेरे का फायदा उठाकर इक्का-दुक्का वाहन चालकों को लूटने वाले गिरोह को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने दबोच लिया है। चारों आरोपियों को क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद की एक होटल से गिरफ्तार किया है। पकड़े आरोपी रात्रि के दौरान हाईवे पर इक्का-दुक्का वाहनों रोक कोई पता पूछने के बहाने या वाहन को टक्कर मारने के बाद हथियार दिखाकर नकद, आभूषण, मोबाइल और लेपटोप इत्यादि की लूट चलाते थे। गिरफ्तार किए गए शख्सों में मुख्य आरोपी प्रकाश उर्फ नेपाली के अलावा रवि राजपूत, विकास राजपूत और मत्स्येन्द्रसिंह उर्फ गब्बर मीणा शामिल है। प्रकाश उर्फ नेपाली मूल नेपाल का निवासी है। जबकि एक आरोपी उत्तर प्रदेश का, एक मध्य प्रदेश का और एक अहमदाबाद का रहनेवाला है। रात्रि की दौरान लूट की घटना को अंजाम देने के बाद चारों आरोपी दिन में अलग अलग होटलों में ठहरते थे। पूर्व सूचना के आधार पर अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने शहर के कालूपुर क्षेत्र की होटल से चारों आरोपियों को दबोच लिया। आरोपियों से पूछताछ में एक-दो नहीं बल्कि 6 मामलों की गुत्थी सुलझ गई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चाकू, एपल का लेपटोप, दो मोबाइल और मोटर साइकिल भी बरामद कर ली है।

मौसम विभाग ने पूरे दक्षिण गुजरात के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पूरे दक्षिण गुजरात में मौसम विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक सूरत के अलग-अलग इलाकों में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई है। सूरत शहर में मौसम में बदलाव के बाद लगातार चौथे दिन भारी बारिश हो रही है। मौसम में बदलाव शहर में सुबह से ही बादल छाए रहे। पूरे सूरत शहर में मेघराज मनमुकी के साथ बारिश हो रही है। सूरत शहर में मूसलाधार बारिश हो रही है। हालांकि मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सूरत शहर में झमाझम बारिश की एंट्री देखने को मिली। वैश्विक बारिश दर्ज की गई। पिछले तीन-चार दिनों से दोपहर के बाद माहौल में बदलाव देखा जा रहा है.

मौसम विभाग ने भारी बारिश के पूर्वानुमान के अनुसार दक्षिण गुजरात में 16 सितंबर तक मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है। बारिश के कारण जनजीवन पर इसका असर दिखाई दे रहा है। आसमान अभी भी काले बादलों से ढका हुआ है। सूरत शहर में पूर्वानुमान के अनुसार बारिश का मौसम देखा जा रहा है। गरज के साथ बारिश हो रही है।

सोजित्रा नगर पालिका में भाजपा के 5 पार्षदों ने दिया इस्तीफा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आणंद,गुजरात में चुनाव निकट आते ही राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोपों के साथ अंदरूनी कलह भी तेज हो गई है। आणंद जिले की सोजित्रा नगर पालिका के भाजपा 5 नगर पार्षदों ने इस्तीफा दे दिया है। एक साथ पांच पार्षदों के इस्तीफे से रजनीति गरमा गई है। इस्तीफा देने वाले नगर पार्षदों का आरोप है कि सोजित्रा भाजपा संगठन के कुछ पदाधिकारी उन्हें बदनाम कर रहे हैं। इतना नहीं उनके निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों पर भी ध्यान नहीं दिया जाता। इस्तीफा देनेवाले 5 नगर पार्षदों में सोजित्रा के वार्ड 5 की कोकीला लक्ष्मणभाई, वार्ड 2 के रहुल अशोकभाई, वार्ड 4 के जिग्नेश पटेल, वार्ड 3 की उन्नति धर्मेशभाई राणा और वार्ड 1 की कल्पना मकवाणा शामिल हैं।